पटना ● शुक्रवार, 07 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः149 | www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

हरसिद्धि विधानसभा में बीजेपी... 3 | www. bordernewsmirror.com | मालविका मोहनन की लेटेस्ट... 8

नतीजों के बाद कांग्रेस में उत्साह, बुलाई सीडब्ल्यूसी की बैठक

● सरकार गठन तक का देख रही सपना, 8 जून को बड़ी मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस 99 सीटें मिली हैं। 2014 में 52 और फिर 2019 के आम चुनाव में 52 सीटें ही पाने वाली कांग्रेस इसे बड़ी सफलता मान रही है। इससे पार्टी बेहद उत्साहित है और सरकार गठन तक का सपना देख रही है। कांग्रेस ने अब 8 जून को कार्यसमिति की मीटिंग बुलाई है। इसमें नतीजों पर चर्चा होगी और सरकार गठन के लिए कोशिश करनी चाहिए या फिर नहीं। इस पर भी बात होगी। सूत्रों का कहना है कि बैठक में

लोकसभा में पार्टी के संतोषजनक प्रदर्शन के लिए नेतृत्व की सराहना करते हुए प्रस्ताव पारित किया जा सकता है। कांग्रेस में इस नतीजे को लेकर उत्साह है और खासतौर पर राहुल गांधी को इसके लिए क्रेडिट दिया जा रहा है। चुनाव नतीजे के तुरंत बाद की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि राहुल गांधी ने देश भर में दो यात्राएं निकाली थीं।

इनमें लाखों लोग पार्टी से जुड़े थे। वह पूरे देश में घूमे थे। इसका फायदा भी कांग्रेस को चुनाव में अच्छे नतीजों के तौर पर मिला है। बता दें कि एनडीए को भले ही स्पष्ट बहुमत मिल गया है, लेकिन भाजपा के 272 सीटों के आंकड़े से 32 दूर रह जाने से कांग्रेस उत्साहित है। कांग्रेस समेत इंडिया अलायंस में शामिल आरजेडी जैसे दलों को लगता है कि यदि एनडीए में गठबंधन पर बिगड़ती है तो वे सरकार भी बना सकते हैं।

मैं नरेंद्र दामोदार दास मोदी...

9 जून को तीसरी बार गूंजेगी यह आवाज

मोदी मंत्रिमंडल लेगा शपथ, राष्ट्रपति भवन में तैयारी हुई शुरू

पड़ोसी देशों के प्रमुख भी शपथ ग्रहण समारोह के होंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी तीसरी बार 9 जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। सूत्रों की मानें तो मोदी मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण के लिए रविवार का दिन तय हो चुका है। विदेशी मेहमानों को भी यही बताया गया है। वो 9 जून को ध्यान में रखकर ही शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने दिल्ली पहुंचेंगे। इससे पहले, शक्रवार, 7 जून को बीजेपी संसदीय दल की बैठक होगी जिसमें नरेंद्र मोदी को नेता चुनने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही राजधानी दिल्ली में राजनीतिक हलचल तेज है। बुधवार को दिल्ली में एनडीए और विपक्षी इंडिया गठबंधन के दलों ने अलग-अलग बैठकें कीं। दोनों ही गठबंधनों में अपने-अपने सहयोगी दलों के बीच भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में पीएम आवास पर हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में वर्तमान लोकसभा को भंग करने की सिफारिश को मंजूरी दे दी गई। उसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17वीं लोकसभा को भंग कर दिया। राष्ट्रपति ने मोदी कैबिनेट की विदाई भोज भी दिया। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को ही बयान जारी कर यह बताया था कि नए केंद्रीय मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण की तैयारी के लिए राष्ट्रपति भवन 5 से 9 जून तक आम लोगों के लिए बंद रहेगा। ध्यान रहे कि 4 जून को आए चुनावी नतीजों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 293 सीटों के साथ फिर से बहुमत मिला है।

भाजपा के जीते हुए मंत्री फिर से होंगे रिपीट!

● चुनाव हारीं स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर को फिर से मौका मिलने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी नड्डा के घर पर राजनाथ सिंह, अमित शाह और नड्डा की बैठक खत्म हो गई है। जानकारी के अनुसार दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर गुरुवार (6 जून) को अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर हैं।

सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते हुए लगभग सभी मंत्री इस बार रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की लिस्ट से काटे जा सकते हैं। चुनाव हारीं स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर को पार्टी एक और मौका दे सकती है। इन्हें फिर से मंत्री पद मिल सकता है। स्मृति और राजीव को मंत्री बनने के बाद छह महीने के अंदर या तो किसी खाली सीट से लोकसभा चुनाव जीतना होगा या फिर उन्हें राज्यसभा भेजकर मंत्री पद दिया जा सकता है।

मोदी की शपथ के बाद भारत आएंगे अमेरिकी एनएसए

● व्हाइट हाउस ने की पुष्टि, अमेरिका-भारत के रिश्तों पर होगी बात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। गुरुवार को व्हाइट हाउस की तरफ से बताया गया कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान जल्दी ही भारत दौरे पर जाएंगे। इस दौरे पर वह अमेरिका-भारत के रिश्तों पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार बहुमत मिलने पर अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर बधाई दी। इसी दौरान बाइडेन ने जेक सुलिवान की भारत यात्रा के बारे में बात की। बाइडेन के पीएम मोदी को किए फोन कॉल के बारे में व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस को भारतीय लोकसभा चुनावों में मिली सफलता पर बधाई दी। दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के राजनैतिक, कूटनीतिक और आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने पर बात की। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की भारत यात्रा कब होगी इस पर अभी कोई तारीख की घोषणा नहीं हुई है।

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को लेंगे सीएम पद की शपथ

चौथी बार बनेंगे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, मोदी सहित नई कैबिनेट के कई मंत्री रहेंगे मौजूद

अमरावती (एजेंसी)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। नायडू का शपथ समारोह पहले 9 जून को होने वाला था। हालांकि, मोदी के शपथ समारोह के चलते इसे टाल दिया गया। चंद्रबाबू नायडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1999 और 8 जून 2014 को तीन बार सीएम पद की शपथ ली थी। 2019 में पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने जीत दर्ज कर उनसे सत्ता छीनी थी। सूत्रों के मुताबिक, नायडू शपथ ग्रहण के दिन अमरावती को राज्य की राजधानी बनाने का ऐलान कर सकते हैं। 2 जून को हैदराबाद को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी रखने के लिए 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अभी आंध्र देश का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसकी कोई राजधानी नहीं है। अमरावती नायडू के

लिए खास महत्व रखता है। 2014 में आंध्र प्रदेश का बंटवारा दो हिस्सों में हुआ था। तेलंगाना अलग राज्य बना। 2014 के आंध्र प्रदेश पुनर्गठन एक्ट के मुताबिक, हैदराबाद ही इन दोनों राज्यों की राजधानी बनी रही, लेकिन एक्ट के मुताबिक ये सिर्फ 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट था। 10 साल बाद यानी 2024 तक आंध्र को अपनी नई राजधानी बनानी थी। आंध्र के बंटवारे के साल यानी 2014 के विधानसभा चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी विजयी हुई। नायडू ने सीएम बनने के बाद अमरावती को राजधानी बनाने का ऐलान किया था। अमरावती में जमीन अधिग्रहण और निर्माण कार्य भी शुरू हो गया था। हालांकि, 2019 में फिर सत्ता बदली और तत्कालीन सीएम जगन मोहन ने अमरावती की जगह राज्य की तीन राजधानी बनाने की घोषणा कर दी। तीन-तीन राजधानियों के ऐलान के साथ ही अमरावती में विरोध प्रदर्शन हुए। मामला हाई कोर्ट पहुंचा। हाई कोर्ट ने मार्च 2022 में अमरावती को राजधानी बनाने के हक में फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार सिर्फ अपनी इच्छा की वजह से तीन राजधानियां नहीं बना सकती। कोर्ट ने सरकार को अमरावती में चल रहा राजधानी का निर्माण कार्य अगले छह महीने में पूरा करने का आदेश दिया था। हालांकि, अब तक आंध्र प्रदेश को अपनी राजधानी नहीं मिल सकी है। इधर, 2 जून को कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने से पहले तेलंगाना सरकार ने इमारतों को खाली करने का आदेश दे दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जगाई आस, अब जल्द ही दिल्ली की बुझेगी प्यास

बोला-हिमाचल, दिल्ली को 137 क्यूसेक पानी दे, हरियाणा मदद करे

पांच दिन में रिपोर्ट मांगी, दिल्ली सरकार से कहा-पानी की बर्बादी रोकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने राज्य में जलसंकट के चलते सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी कि वह हरियाणा, हिमाचल और उत्तर प्रदेश को एक महीने एक्स्ट्रा पानी देने का निर्देश दे। कोर्ट ने 6 जून को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हिमाचल को पानी देने में कोई आपत्ति नहीं है, इसलिए वह अपस्ट्रीम से 137 क्यूसेक पानी दिल्ली के लिए छोड़े। वहीं, हरियाणा सरकार को निर्देश दिया है कि जब पानी हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा जाए तो हरियाणा वजीराबाद तक पानी पहुंचाने में मदद करे, ताकि बिना किसी बाधा के दिल्ली

के लोगों को पीने का पानी मिल सके। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से भी पानी की बर्बादी रोकने कहा है। जस्टिस पी के मिश्रा और केवी विश्वनाथन की वेकेशन बेंच ने 7 जून से ही पानी छोड़ने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा- पानी की बर्बादी नहीं होनी चाहिए, न ही कोई राजनीति होनी चाहिए। कोर्ट ने सभी पक्षों से सोमवार 10 जून तक इस मामले पर रिपोर्ट सौंपने कहा है। दिल्ली सरकार ने जल सकंट पर 31 मई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को एक महीने तक एक्स्ट्रा पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी। दिल्ली में जल संकट के दो कारण हैं- गर्मी और पड़ोसी राज्यों पर निर्भरता। दिल्ली के पास अपना कोई जल स्त्रोत नहीं है। पानी के लिए यह पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली हर दिन 32.1 करोड़ गैलन प्रति दिन पानी की कमी से जूझ रहा है।

सम्राट चौधरी बोले-

नीतिश के नेतृत्व में लड़ेंगे मिशन 2025 का चुनाव

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद केंद्र में सियासी उठापटक जारी है। इन सबके बीच बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम 2025 का चुनाव नीतिश के नेतृत्व में लड़ेंगे। वे बिहार के नेता हैं। इंडिया गठबंधन की मीटिंग को सम्राट चौधरी ने फालतू बताया। पत्रकारों ने जब सम्राट चौधरी से पूछा कि क्या बीजेपी 2025 में नीतिश के नेतृत्व में विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। इस पर सम्राट चौधरी ने कहा कि इसमें दिक्कत क्या है। बिहार में 1996 से हम नीतिश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में जनता ने एनडीए को 75 परसेंट मार्क्स दिए हैं। जो लोग परसेप्शन बना रहे थे वो गलत हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतिश कुमार के नेतृत्व में हमने चुनाव लड़ा। चुनाव प्रबंधन में जो हमारी बिहार की टीम थी उसके नेतृत्व में हम चुनाव लड़े। 25 फीसदी मार्क्स हमारे कटे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि जिन सीटों पर हम चुनाव हारे हैं उसकी समीक्षा हो रही है।

पटनायक के चुनाव हारते ही लापता हुए वीके पांडियन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में लोकसभा और विधान सभा चुनावों में बीजू जनता दल (बीजद) और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की हार के बाद उनके सबसे करीबी सहयोगी और पूर्व आईएएस

अधिकारी वीके पांडियन लापता हो गए हैं। उन्हें इस हार के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मंगलवार को आए चुनाव नतीजों के बाद से पांडियन सार्वजनिक तौर पर कहीं नहीं दिखे हैं। जब निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक इस्तीफा देने राजभवन गए, तब भी पांडियन उनके साथ नहीं थे। इतना ही नहीं, जब बुधवार को नवीन पटनायक ने नवीन निवास में बीजद के नवनिर्वाचित 51 विधायकों के साथ बैठक की, तब वहां से भी पांडियन नदारद थे, जबकि वह चौबीसों घंटे नवीन पटनायक के साथ साए की तरह रहते रहे हैं। पांडियन के इस तरह गायब होने पर अब बीजद के अंदर ही सवाल उठने लगे हैं। साथ ही हार का ठीकरा उसके सिर पर फोड़ने पर भी सवाल उठाए जाने लगे हैं।

सीएम के साथ चौबीसों घंटे साए की तरह रहते थे पूर्व आईएएस

चारधाम यात्रा पर आए 2 विदेशी श्रद्धालुओं की मौत

● रुद्रप्रयाग से पहले गाड़ी पर पहाड़ी से गिरा पत्थर, टेम्पो-ट्रैवलर की छत तोड़कर अंदर घुसा

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश- बद्रीनाथ हाईवे पर नरकोट के पास एक बड़ा हादसा हुआ है। रुद्रप्रयाग से 5 किमी पहले पहाड़ी से गिरे बड़े बोल्डर की चपेट में आकर 2 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 7 यात्री घायल हो गए। सभी यात्री अमेरिका के न्यूयार्क के रहने वाले हैं। पुलिस

ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। यात्री बद्रीनाथ की यात्रा करने के बाद ऋषिकेश की ओर लौट रहे थे। हादसा बुधवार शाम का बताया जा रहा है। जब सभी प्रवासी भारतीय भगवान बद्रीनाथ के दर्शन कर ऋषिकेश लौट रहे थे। इस दौरान रुद्रप्रयाग से पहले नरकोट के पास पहाड़ी से भारी बोल्डर उनके टेंपो ट्रैवलर पर गिर गया। बोल्डर इतना बड़ा था कि टेंपो ट्रैवलर की छत तोड़कर सीधे अंदर घुस गया। इसमें न्यूयार्क में रहने वाले भारतीय अमित सिकंदर (62) और बुद्धदेव मजूमदार (74) की मौके मौत हो गई।

कोटा में एक और मौत, छात्रा ने 9वीं मंजिल से कूदकर दी जान

आत्महत्या रोकने में विफल पुलिस की धमकी-फुटेज चलाया तो केस दर्ज करेंगे

कोटा/रीवा (एजेंसी)। कोटा में नीट की तैयारी कर रही एमपी के रीवा की छात्रा ने अपॉर्टमेंट की 9वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। पड़ोस के फ्लैट में रहने वाली महिला ने उसे गैलरी से कूदते हुए देखा। महिला कुछ समझ पाती, उससे पहले ही छात्रा ने छलांग लगा दी। उसका एक दिन पहले ही नीट का रिजल्ट आया था। कम मार्क्स आने से वो डिप्रेशन में चल रही थी। वह बुधवार दोपहर डाउट क्लियर करने क्लास भी गई थी। मामला कोटा (राजस्थान) के जवाहर नगर इलाके का बुधवार शाम 4 बजे का है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें छात्रा छलांग लगाती हुई दिख रही है। एक महिला जैसे ही फ्लैट से निकलकर उसे देखती है, बगिशा छलांग लगा देती है। इधर, कोटा में छात्रों की आत्महत्या रोकने में नाकाम पुलिस प्रशासन अब

घटना का सीसीटीवी फुटेज चलाने से रोकने का प्रयास कर रही है। कोटा की एसपी अमृता दुहन ने वॉट्सऐप ग्रुप पर धमकी दी है कि घटना के वीडियो से आइडिया लेकर किसी अन्य ने आत्महत्या की तो सीसीटीवी चलाने वालों पर आपराधिक केस दर्ज किया जाएगा। जवाहर नगर थानाधिकारी हरिमोहन शर्मा ने बताया- बगिशा तिवारी (18) रीवा मध्यप्रदेश के गुढ़ (अनंतपुर) की रहने वाली थी। वह कोटा के जवाहर नगर इलाके की पुखराज एलिमेंट बिल्डिंग की 9वीं मंजिल के फ्लैट नं. 503 में रहती थी। साथ में मां व छोटा भाई भी रहते थे। बगिशा 3 साल से नीट की तैयारी कर रही थी। उसका भाई 11वीं में पढ़ता है। वो भी नीट की तैयारी कर रहा है।

चुनाव में खूब किया प्रचार आप तो लगते नहीं बीमार

● केजरीवाल के जमानत मांगने पर कोर्ट ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने से राउज एवेन्यू कोर्ट ने इनकार कर दिया। बुधवार को कोर्ट ने केजरीवाल की अपील यह कहते हुए खारिज कर दी कि चुनाव के दौरान उन्होंने खूब प्रचार किया और यह दिखाता है कि वह किसी गंभीर या जीवन संकट में डालने वाली बीमारी से ग्रस्त नहीं हैं। केजरीवाल ने कुछ जरूरी टेस्ट करवाने के लिए 7 दिन की मोहलत मांगी थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्पेशल जज कावेरी बवेजा ने कहा कि डायबिटीज या यहां तक कि टाइप-2 डायबिटीज को इतना गंभीर नहीं कहा जा सकता है कि वह दावे के मुताबिक राहत के हकदार हों। कोर्ट ने कहा कि किटोन लेवल और वजन में कमी के निर्धारण के लिए टेस्ट करवाने के लिए अंतरिम राहत का आधार मेडिकल ग्राउंड से कमजोर है। कोर्ट ने कहा, जाहिर तौर पर खुद आवदेक के मुताबिक वह अंतरिम जमानत संभावित बीमारी का पता लगाने के लिए चाहते हैं, इसे राहत के लिए उचित आधार नहीं कहा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

साहेबगंज में छत से गिरकर जख्मी नवविवाहिता की मौत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र की पहाड़पुर मनोरथ पंचायत के मनाईन गांव में छत से गिरकर जख्मी विवाहिता की मंगलवार रात एसकेएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसकी पहचान सनोज कुमार की पत्नी करीना कुमारी (19) के रूप में की गई है। उसकी मायका बंगरा निजामत पंचायत में थी। उसके पिता ललन राम ने बताया कि करीना मनाईन गांव के लालबाबू राम के पुत्र सनोज कुमार के साथ प्रेम विवाह किया था। उससे अभी कोई संतान नहीं थी। रविवार को दिन में छत से गिरकर करीना गंभीर रूप से जख्मी हो गई थी। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया था, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में एसकेएमसीएच रेफर कर दिया था। वहां इलाज के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को मनाईन गांव लाया गया, जहां अंतिम संस्कार कर दिया गया। थानाध्यक्ष सिकंदर कुमार ने बताया कि छत से गिरकर विवाहिता की मौत हुई है। मामले में यूडी केस दर्ज किया जाएगा। इधर, करीना की मायके में परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। आसपास के लोग उसे ढांढस बंधा रहे थे।

सड़क से ऊंची नाली, जलभराव की समस्या झेल रहे लोग

भागलपुर, एजेंसी। अभी कई दिनों से बारिश नहीं हुई है, लेकिन अगर आप गुड्हट्टा चौक से मिरजान हाट की तरफ बढ़ेंगे तो थोड़ी दूर सड़क के बायीं ओर गली जाती है। यह गली वार्ड 45 की चंडी प्रसाद लेन कहलाती है। इस गली में जाएंगे तो इस सड़क पर आपको इस समय भी जलभराव नजर आ जाएगा। पिछले कई महीनों से यहां के लोग जलभराव की समस्या झेल रहे हैं। जिम्मेदार भी मुंह मोड़े हुए हैं। नगर निगम भी यहां से पानी निकालने के लिए कोई खास प्रयास नहीं कर रहा है। ऐसे में लोग सड़क छोड़कर नालों के स्लैब पर चलने को मजबूर हैं। वहीं, दोपहिया वाहन सवार बचते-बचाते इस रास्ते से गुजरते हैं। इस सड़क पर जलभराव की मुख्य वजह नाली का सड़क से ऊंचा होना है। नाली के सड़क से ऊंची होने के कारण नाले का गंदा पानी भी सड़क पर भरा रहता है। इसके अलावा दूसरी वजह कासिम बाग लेन में विभिन्न घरों में कराए जा रहे बोरिंग है। इधर का पानी घूमकर चंडी प्रसाद लेन में आ जाता है। ऐसे में नाली के पानी निकासी की व्यवस्था सही ढंग से नहीं होने से सड़क पर पानी भरा रहता है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस संबंध में जिलाधिकारी, नगर आयुक्त समेत अन्य जिम्मेदारों से भी शिकायत की गई, लेकिन समस्या दूर नहीं हो रही है। इसकी वजह से घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है। घर से बाहर निकलकर दफ्तर, बाजार आदि जाना मुश्किल हो गया है। अभी तो पानी थोड़ा कम है, जब बारिश हो जाती है तो पानी के घर में घुसने जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जिम्मेदारों को चाहिए कि यहां का निरीक्षण कर समस्या का समाधान निकालें।

कहलगांव शहर के पूरब टोला वार्ड नंबर 15 पांडे गली में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान

भागलपुर/कहलगांव, एजेंसी। कहलगांव शहर के पूरब टोला वार्ड नंबर 15 पांडे गली में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन बुधवार को वृंदावन धाम से पधारी कथावाचिका अर्चना सिंह ने प्रहलाद चरित्र एवं जर भरत कथा का प्रंसग सुनाया। उन्होंने कहा कि प्रह्लाद की कहानी से हमें ये सीख मिलती है कि भक्ति में बड़ी शक्ति होती है। अगर आप बिना डरे भगवान में पूरा विश्वास रखेंगे तो वे आपकी हमेशा सहायता करेंगे और आपको हर मुश्किल से बाहर निकालेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में तीन लोग यदि निष्ठापूर्वक कर्म करें तो समाज को सुंदर प्रेरणा प्राप्त होगी। पहला कथाकार जो शास्त्रों के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन करें। दूसरा कलाकार जो समाज में अच्छी कलाओ से अच्छाई का प्रदर्शन, तीसरा पत्रकार जो सच्चाई का लेखन करें। इसलिए इन तीनों को निष्ठा पूर्वक अपने कर्म का निर्वहन करना चाहिए। मंच संचालन अभय पांडे ने किया।

एनडीए सरकार बनने के बाद लंदनजाएंगे नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर बड़ी खबर आ रही है. सूत्र बता रहे हैं नीतीश कुमार एक बार फिर से लंदन के लिए निकलने वाले हैं. नीतीश कुमार कल ही एनडीए की मीटिंग में शामिल होने के लिए पटना से दिल्ली पहुंचे थे. एनडीए की मीटिंग के बाद कल ही उन्हें पटना लौट जाने का कार्यक्रम था. लेकिन, नीतीश कुमार दिल्ली में ही रुक गए हैं. माना जा रहा है कि लंदन जाने से पहले नीतीश कुमार मोदी कैबिनेट में जेडीयू कोटे से शामिल होने वाले मंत्रियों की लिस्ट तैयार कर रहे हैं. इसके लिए बीजेपी के आला नेताओं से बातचीत करेंगे. बता दें कि नीतीश कुमार के दिल्ली में रुकने की राजनीतिक व्यस्तता तो है ही, एक और वजह से नीतीश कुमार दिल्ली रुके हुए हैं. सूत्रों की मानें तो नीतीश कुमार अगले मंगलवार को लंदन निकलने वाले हैं. आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव के आगाज होने से पहले भी नीतीश कुमार लंदन चले गए थे. हालांकि, इस बार मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद वह लंदन निकल रहे हैं.

बताया यह जा रहा है कि नीतीश कुमार एक बार फिर से इलाज के लिए लंदन जा रहे हैं. इसलिए मंत्री पद जैसे मुद्दों को सुलझाने के लिए दिल्ली में रुक गए हैं. दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में कल से ही जेडीयू कोटे से कौन मंत्री बनेगा और कौन सा मंत्रालय मिलेगा, इसकी चर्चा हो रही है. एनडीए में शामिल अन्य घटक दलों ने भी मंत्री पद को लेकर जोर आजमाइश शुरू कर दिया है. ऐसे में नीतीश कुमार दिल्ली में रह कर यह मसला सुलझा लेना चाहते हैं.

संभावना है कि लंदन दौरे से पहले नीतीश कुमार चुनाव के बाद रणनीतियों पर मंथन के लिए दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे. सूत्र बता रहे हैं कि नीतीश कुमार की अनुपस्थिति में बिहार चीफ सेक्रेटरी को नीतीश कुमार अपना अधिकार दे कर जाएंगे. इस साल 7 मार्च को भी नीतीश कुमार लंदन रवाना हो गए थे. तब उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय झा भी गए थे. इस बार भी माना जा रहा है कि संजय झा ही उनके साथ जा रहे हैं. हालांकि, सूत्र बताते हैं कि पिछले इंग्लैंड दौरे के बीच में ही नीतीश कुमार को भारत आना पड़ा था, क्योंकि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया था.

पिछले लंदन दौरे पर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक ट्वीट कर नीतीश कुमार पर तंज कसा था. नीतीश के नाम लिए बिना आचार्या ने लिखा. 'दिमागी-भूलने की बीमारी ऐसी कि ऋषि सुनक के साथ सीट-शेयरिंग का फार्मूला तय करने चच्चा गिरगिट कुमार जा रहे हैं लंदन' हालांकि, अब रोहिणी आचार्य को सारण सीट से हार मिली है.

कालाबाजारी के लिए उतारा जा रहा 250 बोरा चावल जब्त

सीवान, एजेंसी। सीवान के करोम गांव में ग्रामीणों ने कथित तौर पर कालाबाजारी के लिए लाया जा रहा एक मिनी ट्रक में भरे करीब चावल 250 बोरा चावल को ट्रक सहित पकड़ लिया है। जानकारी के अनुसार जिला के मैरवा कोआपरेटिव से करीब 250 बोरा चावल को एक ट्रक में भरकर दरौली के करोम गांव में लाया गया और उसे एफ़सीआई के गोदाम में चावल को उतारा जा रहा था।

बिना कागजी प्रक्रिया पूरी किए और बिना रजिस्ट्रेशन के उस चावल को एफ़सीआई के गोदाम में उतारा जा रहा था। उसके बाद ग्रामीणों को भनक लगी की यहाँ एफ़सीआई गोदाम में अवैध रूप से चावल की कालाबाजारी की जा रही है। सूचना के बाद दर्जनों ग्रामीण एफ़सीआई गोदाम तक पहुंचे और चावल के बारे में पूछा। हालांकि ग्रामीणों को जब शक को हुआ तो ग्रामीण इसकी सूचना पुलिस और एसडीओ को दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ट्रक को चावल सहित लेकर थाना में पहुंची है और पूछताछ कर रही है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: एसडीओ सुनील कुमार ने बताया की चावल की खरीद बिक्री कागजी प्रक्रिया के तहत होती है। चावल को खरीदने के लिए रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है की बिना रजिस्ट्रेशन का ही चावल गोदाम में उतारा जा रहा है।

पटना में वंदे भारत के रखरखाव के लिए कोचिंग कॉम्प्लेक्स बनेगा: 200 करोड़ रुपए होंगे खर्च

पटना , एजेंसी। वंदे भारत ट्रेन के रखरखाव के लिए पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन 200 करोड़ रुपए खर्च करने जा रही है. इन रुपयों से पाटलिपुत्र जंक्शन के पास कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा. इस संबंध में पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया है कि कोचिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी.

630 मीटर वाशिंग पिट लाइनः

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 630 मीटर लंबे वाशिंग पिट लाइन के साथ निरीक्षण एवं रखरखाव के लिए शेड युक्त लाइन का निर्माण किया जाएगा. सभी लाइन ओवरहेड वायर से युक्त होंगे. इसके साथ ही तीन अलग-अलग स्टेबलिंग लाइन का भी निर्माण किया जाएगा. इस कोचिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण होने के बाद हेवी रिपेयरिंग शेड एव बोगी रिपेयरिंग शेड की अलग-अलग व्यवस्था दी जाएगी.

नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण

साथ ही उन्होंने बताया कि जब यह कोचिंग कॉम्प्लेक्स पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगी तो यहां एक बार में 24 कोच वाली 10 वंदे भारत ट्रेन के मेंटेनेंस का काम किया जाएगा. सीपीआरओ सरस्वती चंद्र ने यह भी बताया कि इस नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स को आधुनिकता के साथ बनाया जा रहा है. पहले से जो पुरानी लाइन है उसकी ऊंचाई कम है, जिसके कारण ट्रेन के रखरखाव में समय लगता है. रेल कर्मियों को परेशानी भी होती है.

राजेंद्र नगर कोचिंग परिसर को किया अपग्रेड

वर्तमान में 20 करोड़ की लागत से वंदे भारत के रखरखाव के लिए राजेंद्र नगर कोचिंग परिसर को अपग्रेड किया गया है. इसके तहत प्लेटफार्म 1 और 5 का उच्चीकरण किया गया है. एक एवं पांच के ऊपर ओएचई वायर को वंदे भारत रेट के अनुकूल बदलाव किया गया है. इसके लिए लोको पायलट को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है. भंडारण के लिए अलग से स्टोर रूम भी निर्माण कराया गया है.

पाटलिपुत्र जंक्शन के पास बनेगा कॉम्प्लेक्स

बता दें कि पूर्व मध्य रेल द्वारा वर्तमान में पटना हावड़ा, पटना रांची, पटना गोमतीनगर एवं न्यू जलपाईगुड़ी पटना सहित चार वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है. पाटलिपुत्र जंक्शन के पास में जब कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण हो जाएगा तो वंदे भारत ट्रेन का रखरखाव मेंटेनेंस का काम वहीं पर किया जाएगा.

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के बंजारी स्थित बाइपास पर ट्रक के चपेट में आने से बाइक सवार बालू व्यवसाई की मौत हो गई। वही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान नगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 बंजारी निवास रामाशंकर तिवारी के बेटा बबलू तिवारी के रूप में हुई है।

घटना के संदर्भ में बताया जा रहा है, कि बबलू तिवारी बंजारी स्थित बाइपास मोड़ पर अपने बाइक को खड़ा कर उसी पर सवार होकर बैठे थे। तभी एक बालू लोड ट्रक चालक अपना ट्रक बैक कर रहा था और बाइक सवार पर बैठे बब्लू तिवारी को ट्रक चालक देख नहीं सका और उसे अपने चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने जख्मी को इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं सूचना दी। पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। मृतक के दो बेटा और एक बेटी है। घटना के बाद से पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नगर थानाध्यक्ष ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि ट्रक के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दो पक्षों में मारपीट, गोलीबारी, 6 गिरफ्तार

वैशाली में आपसी वर्चस्व को लेकर वारदात को दिया अंजाम, दो देसी कट्टा सहित चार कारतूस बरामद

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली के जुरावनपुर थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव मे पांच एकड़ जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। इस दौरान गोलियों की गुंज से इलाके में दहशत फैल गया। हालांकि घटना मे किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों के मुताबिक भूमि विवाद और आपसी वर्चस्व को लेकर दो पक्षों के बीच दर्जनों राउंड गोलियां चली है। घटना की जानकारी मिलते ही जुड़ावनपुर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीती रात आधा दर्जन व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

दर्जनों राउंड चली गोलियां : बता दें की वीरपुर गांव के दरबार के लोगों का करीब पांच एकड़ जमीन है। जिस पर दो लोग अपना वर्चस्व और जमीन पर कब्जे को लेकर बुधवार शाम भिड़ंत हो गई। एक तरफ वीरपुर टोला तो दूसरे तरफ लंका टोला के लोगों के बीच जमकर फायरिंग हुई। जिसमें करीब दर्जनों राउंड से गोलियां चली। घटना की जानकारी के बाद जुरावनपुर पुलिस,राघोपुर थाना की पुलिस एवं रुस्तमपुर पुलिस मौके पर पहुंच मामले मे 6 लोगो को गिरफ्तार किया।

जमीनी विवाद में हुई गोलीबारी

थानाध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने बताया की जमीनी विवाद में गोलीबारी हुई है। जिसमें महेंद्र राम पिता स्व गनौर राम ग्राम वीरपुर थाना जुडावनपुर के खेत में जबरदस्ती कब्जा करने के उद्देश्य से ट्रैक्टर, स्कॉर्पियो, बाइक से हथियार से लैस होकर फायरिंग किया और खेत जोत रहे थे। जिसकी सुचना मिलते ही 6 लोगों को पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी महावीर यादव, मंजय कुमार, अजय राय, राजेश कुमार, विरसेन सिंह, गुड्डू कुमार है। जिनके पास से पुलिस ने 2 ट्रैक्टर, 3 बाइक, 1 स्कॉर्पियो, 6 बोतल अंग्रेजी शराब, 2 पिस्टल, 4 गोली, 4 खोखा बरामद किया गया है।

सड़क हादसे में घायल भांजे की भी मौत :गिट्टी लदे हाईवा ने बाइक में मारी थी टक्कर

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में गिट्टी लदे हाईवा ने बाइक सवार मामा-भांजे को रौंद दिया था। हादसे में मामा की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि भांजा घायल हो गया था। उसे प्राथमिक उपचार अनुमंडल अस्पताल कहलगांव ले जाया गया था। जहां से मायागंज रेफर कर दिया गया था। जहां पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। मृतक मामा तीनटंगा निवासी स्वर्गीय महाराज मंडल के रजनी प्रभात (40) हैं। जबकि भांजा पीरपैंती थाना क्षेत्र के रसीदपुर गांव के देवेंद्र कुमार (30) हैं। जिनका पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। दोनों मायागंज अस्पताल में भर्ती बीमार फूफा से मुलाकात कर वापस घर लौट रहे थे। शिवनारायणपुर थाना क्षेत्र के विक्रमशिला स्टेशन के पास एनएच- 80 पर हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद चालक हाईवे मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हाईवे को जब्त कर लिया है। मामले की छानबीन में जुट गई है। मरने वाले दोनों अपने सगे मामा भांजा हैं। मृतक देवेंद्र के भतीजे राजू ने बताया कि अपने फूफा से मुलाकात कर मायागंज से घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाईवा ने रौंद दिया। बीमार पिता पिछले दिनों से मायागंज अस्पताल में भर्ती है।

दोनों रसीदपुर गांव जा रहे थे

शिवनारायणपुर थाना अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने बताया कि विक्रमशिला स्टेशन के समीप एनएच- 80 पर बाइक और हाईवे की आमने-सामने टक्कर हो गई। बाइक पर सवार दो लोग थे। जिनमें से एक की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक को उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल कहलगांव भेजा गया। दोनों पीरपैंती थाना क्षेत्र के रसीदपुर गांव जा रहे थे।

भोजपुर में अवैध हथियार के साथ एक युवक गिरफ्तार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर बाजार में पुलिस ने छापेमारी कर एक वांछित बदमाश को अवैध हथियार के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया बदमाश चांदी थाना क्षेत्र के मठियापुर गांव निवासी अभिषेक सिंह है। पकड़े गए आरोपित के पास से एक देसी पिस्तौल व दो कारतूस बरामद किया गया है। इधर, सदर डीएसपी टू रंजीत सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है। वह पहले से लूट व चोरी के कांडों में चार्जशीटेड रहा है।

प्रेम-प्रसंग में मारी थी गोली

पूर्व के गोली कांड में भी संलिप्त रहा था। इस दौरान गुप्त सूचना के आधार पर चांदी थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने मठियापुर में छापेमारी कर वांछित को धर दबोचा। बात दे की तीन मई को संदेश प्रतापपुर गांव निवासी अभिराज सिंह प्रतापपुर-मठियापुर मोड़ स्थित कुशवाहा मार्केट में अपने दोस्त के गैरेज पर बैठे हुए थे । तभी हथियारबंद बदमाश वहां आ धमका था और उन्हें गोली मार फरार हो गया था। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। प्रेम-प्रसंग संबंधी विवाद की बात चर्चा में आई थी। अक्टूबर से ही विवाद चला आ रहा था।इसके बाद से ही पुलिस को आरोपित की तलाश थी।

छापेमारी अभियान में 25 धराए

एसपी के आदेश पर कांड में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी व शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए छापेमारी अभियान में 25 पकड़े गए। इसमें हत्या के प्रयास में एक, पुलिस पर हमले में दो, आर्म्स एक्ट में दो, रंगदारी में एक, वारंट में तीन व शराब में 14 आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़े है। अभियान के दौरान दो शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। 44 लीटर देसी शराब बरामद किया गया। करीब 400 लीटर शराब विनष्ट कर दिया गया। करीब 626 वाहनों की जांच की गई।

18 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया

करीब एक लाख 18 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया। दो देसी कट्टा व दो गोली बरामद किया गया। दो बाइक को जब्त किया गया। सिकरहटा थाना पुलिस ने पुलिस पर हमले के मामले में वांछित आरोपित को धर दबोचा। करनामेपुर थाना पुलिस ने पुलिस पर हमला व सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में वांछित आरोपित को धर दबोचा। छह सालों से तलाश थी। कोईलवर थाना पुलिस ने रंगदारी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। संदेश व चांदी पुलिस ने आर्म्स एक्ट में दो को गिरफ्तार कर लिया। इमादपुर पुलिस ने बालू लदे तीन ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया।

हरसिद्धि विधानसभा में बीजेपी को मिले सबसे कम मत, बिहार सरकार के मंत्री कृष्णनंदन पासवान पर सवालिया निशान

बीएनएम। मोतिहारी। राकेश कुमार

पूर्वी चम्पारण लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी राधामोहन सिंह को सातवीं बार सांसद बनने का मौका मिला है। इस लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले छः विधानसभा क्षेत्र के पाँच विधानसभा के लोगों ने नवनिर्वाचित सांसद के पक्ष में जमकर वोट किया। लेकिन हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र से इनकी हार स्थानीय विधायक सह बिहार सरकार के मंत्री कृष्णनंदन पासवान की जनता में जमीनी पकड़ पर सवालिया निशान खड़ा करने लगा है। इनके पुत्र कुंदन पासवान भी भाजपा आईटी सेल के संयोजक हैं। इन दोनों पिता-पुत्र के हरसिद्धि में रहते ऐसी स्थिति कुछ और ही बयान कर रही है। बता दें कि बिहार सरकार में जिले से एकमात्र मंत्री के विधानसभा क्षेत्र से डॉ राजेश कुमार ने करीब साढ़े चार हजार वोट से बढ़त बनायी। वहीं छः विधानसभा क्षेत्रों में से एकमात्र हरसिद्धि विधानसभा से राधामोहन सिंह को अपने प्रतिद्वंद्वी डॉ राजेश कुमार से लगभग साढ़े चार हजार कम मत प्राप्त हुए हैं वहीं बगल के गोबिंदगंज विधानसभा क्षेत्र से राधा मोहन सिंह कक लगभग चौतीस हजार मतों से बढ़त हासिल हुई है। लोगों का श्री पासवान को बिहार सरकार में मंत्री होने के नाते पहले से हीं यह अनुमान लगाया जा रहा था इस क्षेत्र से भाजपा को अधिक मत प्राप्त होंगे। वहीं लोगों ने बताया कि इस विधानसभा क्षेत्र के कई राजद नेताओं द्वारा भाजपा में शामिल होने का भी फायदा होता नही दिखा है। इधर लोगों का कहना है कि स्थानीय होने के कारण विधान पार्षद महेश्वर सिंह के द्वारा काफी मेहनत किया गया है, नही तो स्थानीय विधायक श्री पासवान के द्वारा पिता-पुत्र मिलकर भाजपा उम्मीदवार की नैया पूरी तरह डुबो देते। उल्लेखनीय है कि हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र में राधामोहन सिंह को 82118 व डॉ राजेश कुमार को 86301, गोविंदगंज में राधामोहन सिंह को 89629 व डॉ राजेश कुमार को 55641, केसरिया में राधामोहन सिंह को 82481 व डॉ राजेश कुमार को 61589 मत मिले। वहीं कल्याणपुर में राधामोहन सिंह ने 83104 एवं डॉ राजेश कुमार ने 69090, पीपरा में राधामोहन सिंह ने 101153 व डॉ राजेश कुमार ने 96658 तथा मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र में राधामोहन सिंह ने 102026 व डॉ राजेश कुमार ने 81428 वोट पाने में सफलता पायी।

लोकसभा आम चुनाव को लेकर जारी की गई आदर्श आचार संहिता की अवधि हुई समाप्त

बीएनएम। मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 के सफल प्रयोजनार्थ 16 मार्च 2024 से लागू आदर्श आचार संहिता 6 जून 2024 को समाप्त हो गई। ज्ञातव्य हो कि निर्वाचन तिथि की उद्घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाती है। निर्वाचन अवधि में सभी सरकारी कर्मचारी निर्वाचन आयोग के अधीन समझे जाते हैं।आदर्श आचार संहिता लागू रहने की अवधि में केंद्र या राज्य सरकार द्वारा मतदाताओं के लिए लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा नहीं की जा सकती है। एक लंबी अवधि तक जनकल्याणकारी कार्यों पर लगी रोक 6 जून को समाप्त हो गई। अब सरकार द्वारा नीतिगत निर्णय लिए जा सकते हैं या लोककल्याण कारी योजनाओं की घोषणा की जा सकती है। 6 जून को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं तेलांगना को छोड़कर अन्य सभी जगह आदर्श आचार संहिता निष्प्रभावी हो गई है। कर्नाटक, महाराष्ट्र एवं तेलांगना विधान परिषद् में शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव प्रक्रियाधीन है।

जमीन विवाद की जांच करने गये सीओ से गाली गलौज और हाथापाई

बीएनएम।पूर्वी चंपारण

जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद की जांच करने गए अरेराज सीओ के साथ एक पक्ष ने हाथापाई और गलौज की है। सीओ के आवेदन पर गुरुवार को एक नामजद सहित पांच अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने सीओ के साथ हाथापाई करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। घटना गोबिंदगज थाना के रढिया गांव का बतायी गयी है।जहां दो लोगो के बीच जमीनी विवाद के आवेदन पर जांच के लिए अरेराज सीओ उदय प्रताप सिंह गोबिंदगज थाना पुलिस के साथ पहुंचे थे। जांच के दौरान एक पक्ष उग्र होकर सीओ के साथ गाली गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दिया ।हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस पदाधिकारी व सुरक्षा बल मूकदर्शक बने रहे।हालांकि बात बिगड़ते देख पुलिस ने कुछ देर बाद सीओ के साथ हाथापाई करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गोबिंदगज थाना अध्यक्ष राजू मिश्र ने बताया कि अरेराज सीओ के आवेदन पर एक नामजद व पांच अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया है ।पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रतर कार्रवाई में जुटी है।

स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा सुबह 8.30 से ओपीडी सेवा देना सुनिश्चित करें चिकित्सकः सीएस

- भव्या कार्यक्रम को लेकर जिलास्तरीय अधिकारियों की हुई बैठक
- मई माह मे 1लाख 21हजार 161 मरीज का हुआ पंजीकरण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले मे भव्या कार्यक्रम को लेकर जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक सिविल सर्जन मोतिहारी डॉ विनोद कुमार सिँह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित राजेंद्र भवन में आयोजित की गईं। जिसमें भव्या कार्यक्रम के तहत दिए जा रहे सभी सेवाओं का प्रखंडवार उपलब्धियों की समीक्षा की गईं, साथ ही बैठक मे मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना अन्तर्गत भव्या कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देने के साथ ही भव्या के सभी मॉड्यूल पर क्षमता वर्धन भी किया गया। सिविल सर्जन के द्वारा सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया की सभी डॉक्टर दिन मे 8.30 से ओपीडी सेवा देना सुनिश्चित करें। सभी मरीजों का शत-प्रतिशत वायटल जांच की जांच की जाय। सभी मरीजों का ऑनलाइन कंसलटेशन सुनिश्चित किया जाय। अस्पताल मे आए हुए मरीजों का आभा आईडी बनाया जाय, साथ ही उन्हें स्कैन एंड शेयर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाय ताकि रजिस्ट्रेशन काउंटर पर भीड़ से बच सके।ओपीडी व्यवस्था को पूर्णतः डिजिटलाइजेशन करते हुए पेपरलेस करने पर जोर दिया जाए।एएनएम अथवा स्टॉफ नर्स द्वारा मरीजों की वाईटल, चीफ कम्प्लेन आदि दर्ज करने का निर्देश दिया गया।अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया की सदर अस्पताल में भव्या कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ मिशन अंतर्गत वेब पोर्टल के माध्यम से पेपर लेस बनाने के उद्देश्य से मरीजों का लाइव इलाज किया जा है।

स्वास्थ्य संस्थानों मे उपलब्ध है संसाधन- जिले के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह अमन ने बताया की प्रत्येक संस्थानों में डिजिटल ओपीडी सेवा हेतु दो लैपटॉप तीन डेस्कटॉप एक मोबाइल टैब एवं इंटरनेट कनेक्शन आदि की सुविधा प्रदान की गई है उन्होंने बताया की जिन चिकित्सकों द्वारा भव्य कार्यक्रम में रुचि नहीं ली जा रही है उनको सुधार करने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो,वही उन्होंने बताया की इस प्रकार की सुधार न होने पर विभागीय कार्रवाई करने की बात की गई है।अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह ने बताया की मई 2024 में भव्य कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 1लाख 21हजार 161 मरीज का पंजीकरण किया गया जिसमे कॉल 4757 मरीजों को ऑनलाइन कांस्टेलेशन प्रदान की गई। 28,790 मरीज का वाईटल एवं 48,200 मरीज का मुख्य समस्याओं का निदान किया गया।ततपश्चात भव्या में बेहतर कार्य करने वाले डॉक्टर प्रिया कुमारी साह रक्सौल, डॉ निशांत कुमार अरेराज, डॉ अमाज आलम सुगौली, डॉ प्रहस्त कुमार रामगढ़वा को भव्य कार्यक्रम अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य हेतु सिविल सर्जन द्वारा प्रशस्ति पत्र देखकर सम्मानित किया गया। मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमारपासवान, डीआईओ डॉ शरत चंद्र शर्मा,डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन,अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अमानुल्लाह, पिरामल डीसी राजेश कुमार गिरी, अतुल श्रीवास्तव , एवं सभी प्रखंड के एमओआईसी व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

मोतिहारी में तेज आंधी में घर पर गिरा पेड़,एक महिला की मौत

बीएनएम।पूर्वी चंपारण

जिले में बुधवार की देर रात आयी तेज आंधी और बारिश ने कहर मचाया है। जहां एक घर पर आम का पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए।घटना जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 की है। बताया जा रहा है कि मो सगीर के दो वर्षीय नाती रिजवान का जन्मदिन था। सभी बड़े ही धूम धाम से मना कर खाना खा सभी सोने चले गए थे। इसी बीच अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। घर के पास बड़ा विशाल आम का पेड़ घर पर गिर गया।जिसमें दबने से 32 वर्षीय ममीना खातून की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायल हो गए। सभी घायल को आनन फानन में सुगौली सीएचसी में भर्ती कराया गया ,जहा इलाज के बाद मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी का इलाज चल रहा है। घायलों में राजा आलम 17 वर्ष पिता मो खलील, मो रफीक 38 पिता जैनुल मिया, इम्तियाज आलम 45 वर्ष पिता सगीर, फैशन आलम उम्र 4 वर्ष रफीक मिया, रौशन खातून पिता रफीक मिया, मुन्नी खातून 32 वर्ष पति सगीर शामिल है। घायलो में दो की स्थिति नाजुक है। सुगौली थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि पेड़ गिरने की सूचना मिलने पर जेसीबी से मलबा हटाया और सभी घायलो को इलाज के लिए भेजा गया।घटना में एक महिला की मौत हुई है। उसके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेजा जा रहा है।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!
PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET
प्रियांशु बाजाज
Managing Director
फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

S.No.	Position	Qualification	No. of Possession	Pay Scale
1.	Branch Manager	Graduation	40	30,000 – 35,000
2.	Finance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
3.	Insurance Manager	Graduation / Intermediate	40	25,000 – 30,000
4.	Branch Accountant	I.Com / B.Com with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
5.	Filed Officer	10th / 10th +2	160	15,000 – 20,000
6.	Store Keeper	10th	80	15,000
7.	Delivery Boy	10th	160	10,000 + Commission
8.	Supervisor	Graduation with Computer Knowledge	40	20,000 – 25,000
9.	Security Guard	Retired Home Guard Officer	40	10,000
10.	Distributer	Minimum 8th Passed	We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees.	10,00000
11.	Peon	Minimum 8th Passed	40	10,000 – 15,000

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए । अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन न० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।
Mobile No - +91 7324818096
*नियम एवं शर्ते लागु

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

बीइओ ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

बीएनएम। बेतिया

शिक्षा विभाग के आदेश का उल्लंघन करने वाले मझौलिया प्रखंड मुख्यालय समेत ग्रामीण क्षेत्र में कोचिंग एवं निजी शिक्षण संस्थान के संचालकों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कार्यवाही की जाएगी। जांच अभियान लगातार टीम द्वारा जारी है।इसकी जानकारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हाफिजुर रहमान ने देते हुए बताया कि सावधान हो जाएं अब किसी भी प्रकार की बहाने बाजी नहीं चलेगी।उन्होंने बताया कि सन 1970 में स्थापित आरटीई के तहत मान्यता प्राप्त रामेश्वर दयाल मध्य विद्यालय के आरटीई के तहत मान्यता प्राप्त सभी प्रकार के अभिलेखों का जांच वर्ग वार कैमरा बेंच डेस्क शौचालय पुस्तकालय खेल का मैदान के साथ भौतिक सत्यापन किया गया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस विद्यालय को बिहार सरकार राज्यपाल के नाम से 1983 अधिग्रहण हेतु निबंधित किया गया। अपनी जमीन विद्यालय की बाउंड्री 6 कमरों वाला छतदार मकान समेत पर्याप्त रूप में सभी संसाधन उपलब्ध होने के बावजूद भी यह विद्यालय क्यूआर कोड से क्यों वंचित रहा। यह कहीं ना कहीं शिक्षा विभाग और विद्यालय प्रबंधन समिति की उदासीनता झलक रही है। हालांकि उन्होंने विद्यालय निरीक्षक के क्रम में काफी संतुष्ट दिखते हुए ।जिला में निरीक्षण रिपोर्ट देने की बात कही उन्होंने कई बिंदुओं पर प्रधानाचार्य को गाइडलाइन दी।निरीक्षण के क्रम में प्रखंड बीआरपी उपेंद्र कुमार शुक्लासचिन इंद्रमण प्रसाद चौरसिया प्रधानाध्यापक श्री ठाकुर समेत विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

आदेश का उल्लंघन करने वाले कोचिंग एवम निजी शिक्षण संस्थान का भी किया निरीक्षण– उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के करमवा,शेख मझरिया, अवहार कुड़िया समेत ग्रामीण क्षेत्र के चौक चौराहों पर शिक्षा विभाग के आदेश का खुलेआम उलंघन करते हुए कोचिंग एवं निजी शिक्षण संस्थान का संचालन की शिकायत का निरीक्षण किया गया है निरीक्षण के क्रम में उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दिया कि शिक्षा विभाग के आदेश का उल्लंघन करने वाले संचालक मापदंडों का पालन करें अन्यथा पकड़े जाने पर प्राथमिक की दर्ज करते हुए विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

अचानक आयी आंधी ने एक महिला की मौत,सात लोग घायल

घर पर पेड़ गिरने से हुई घटना

बीएनएम। सुगौली

बुधवार को देर रात आई तेज आंधी-तूफान ने प्रखंड क्षेत्र में भयंकर तबाही मचायी है। तूफान के प्रभाव से घर पर पेंड गिर गया जिससे सो रहे आठ लोग दब गए। वहीं इस घटना में पेंड़ से दब एक महिला की मौत हो गई है और सात लोग बूरी तरह घायल हो गए हैं। तूफान के प्रभाव से दस लाख रुपये से अधिक की क्षति बतायी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की आधी रात बाद अचानक तेज हवा चलने लगी जो भयंकर तूफान में बदल गई।जिसका सबसे ज्यादा प्रभाव नगर पंचायत के वार्ड 12 के अमीर खान टोला और सुकुल पाकड़ पंचायत के बेलवतिया में पड़ा है।जहाँ एक पुराना आम का पेड़ गिर गया और अमीर खान टोला के मो सगीर,साबिर अंसारी और ताज अंसारी का एस्बेस्टस का घर चपेट में आ गया।जिससे घर में सो रहे आठ लोग दब कर बुरी तरह से घायल हो गए।जिसमे एक अधेड़ महिला रफीक मियां की पत्नी मोमिना खातून की मौत हो गई।तूफान की घटना की जानकारी मिलने पर वार्ड 12 के पार्षद प्रतिनिधि शाहिद आलम और थाना की पुलिस टीम जेसीबी और एम्बुलेंस के साथ आधी रात को हीं पहुंच गए और घर पर गिरे पेंड़ को हटवाया गया।और पेंड़ से दब कर घायल हुए लोगों को बाहर निकाला गया। थाना के एसआई पंकज कुमार ने पीड़ितों की रिपार्ट ली।मृतका मोमिना खातून के अलावा घायलों में रोशनी खातून,अरबाज आलम,निराले आलम,रफीक मियां,ताज अंसारी,गुलशन खातून और मुन्नी खातून बतायी गई है।वहीं जनता चौक से बेलवतिया जाने वाली सड़क में तूफान का कहर रहा।सड़क किनारे बनी मोहन सहनी,पप्पू सहनी,प्रेम चंद पंडित,मदन सहनी,संजय ठाकुर,और रवींद्र सहनी सहित अन्य लोगों की कर्कटनुमा कई झोंपड़ियां उड़ गई है।एक कार का शीशा भी फुट गया है।तूफानी हवा का जोर इतना था कि कर्कट उड़ कर 33 केवीए के पोल पर जा फंसा था।पेंड़ टूट कर दूर चला गया था।एक भैंस भी घायल हो गई है।प्रेम चंद पंडित ने बताया कि जब उसके घर का छप्पर उड़ गया तब उसने अपने बच्चों के साथ चौकी के नीचे छिप कर जान बचायी।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय तरंग संगोष्ठी का हुआ आयोजन

बीएनएम। बगहा

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय डिग्री कॉलेज बगहा-01 और एमजेके कॉलेज बेतिया के संयुक्त तत्वाधान में दोनों कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ) रबीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में एक दिवसीय तरंग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर.के. चौधरी ने कहा की हमारे पर्यावरण संरक्षण के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण सुझाव वैदिक ग्रंथो में मौजूद है । हमें भूमि,जल,जंगल,वायु को अपने और पर्यावरण के बेहतर स्वास्थ्य के लिए बचाना होगा। सृष्टि का आधार ये सभी घटक हैं। मानवीय क्रिया कलाप जब अति की पराकाष्ठा को पार करती है तब हमारा पर्यावरण प्रतिकूल व्यवहार करने पर मजबूर होता है। हमें विकास की अनुलतम स्थिति को अपनाते हुए पर्यावरण के साथ मित्रवत व्यवहार करनी चाहिए।कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता करीम सिटी कॉलेज जमशेदपुर झारखण्ड के डॉ आले अली ने पर्यावरण के महत्व को बताते हुए इसके संरक्षण के उपायों पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश बलिया के डॉ गणेश कुमार पाठक ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का सबसे बेहतर उपाय वृक्षारोपण है। प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्यतः वृक्षारोपण करनी चाहिए। कार्यक्रम के की-नोट स्पीकर भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर नेहाल अहमद ने बताया कि पर्यावरण को गंभीर रूप से बीमार करने में मानवीय व्यवहार जिम्मेदार हैं।कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत राजनीतिक विज्ञान विभाग के डॉ बिपिन दुबे ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन पवन कुमार ने किया। इस मौके पर राहुल, मारूफ, सौम्या, निभा, नौशाद, सीमा प्रवीण, साजिआ, आशिया, सहाना, निशा कुमारी के अलावा दर्जनों विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सदस्य को सवा क्विनटल लड्डू से तौला

बीएनएम। पश्चिम चंपारण(बगहा)

देश में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिलने पर और बेतिया तथा वाल्मीकि नगर संसदीय क्षेत्र में भारी मतों से विजयी होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सभा सांसद सतीश चन्द्र दुबे को बगहा नगर के चित्रांगदा सिनेमा चौक बगहा एक में वृहस्पतिवार को लड्डू से तौला है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। साथ ही सवा क्विनटल लड्डू लोगों के बीच वितरित किया । कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए बगहा विधायक राम सिंह ने कहा कि वाल्मीकिनगर लोकसभा, बेतिया लोकसभा,मोतिहारी लोकसभा, और शिवहर लोकसभा सहित कई लोकसभा क्षेत्रों के जीत मे राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके मेहनत का नतीजा है कि उनके नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता तन मन धन से लगकर अपने एनडीए प्रत्याशी को जिताने का काम किये। वहीं इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य दुबे ने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासशील नीति और कार्यकर्ताओ की कड़ी मेहनत को दिया। कार्यक्रम में भारी संख्या में व्यवसायी और स्थानीय लोगों की भागीदारी रही। सबने इस जीत मे सांसद सतीश चन्द्र दुबे और स्थानीय विधायक राम सिंह के कड़ी मेहनत की सराहनीय किया।उक्त अवसर पर नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भाजपा जिंदाबाद,सतीश चन्द्र दुबे जिंदाबाद का गंगनभेदी नारा लगता रहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र नाथ तिवारी, वरिष्ठ नेता मनोज कुमार सिंह सहित अन्य नेता मौजूद रहें।

एक सप्ताह के अंदर राजस्व कर्मचारी सौपें अतिक्रमण जांच रिपोर्टः सीओ

बीएनएम। बेतिया।मझौलिया

अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने मुख्य बाजार चौक पर अतिक्रमण के कारण लगातार हो रही जाम की समस्या को गंभीरता से लेते हुए एक सप्ताह के अंदर राजस्व कर्मचारी रघुनाथ चौधरी से जांच रिपोर्ट देने का सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों द्वारा शिकायत मिलता रहा है कि प्रखंड के 29 पंचायत कि जनता अपने काम से आते जाते हैं साथ ही स्थानीय लोगों को प्रतिदिन दोपहर के बाद से बाजार चौक की दोनों बगल सब्जी दुकानदार एवं चौक पर ही ठेला लगाकर मुख्य सड़क को अतिक्रमण कर लेने से जाम की समस्या उत्पन्न होती रहती है। वही कचरा का अंबार लगने से संक्रामक बीमारियों की संभावना बनी रहती है।जाम की समस्या से लोगो को काफी परेशानी हो रही है।उन्होंने बताया कि राजस्व कर्मचारी से अतिक्रमित भूमि के ब्योरा के साथ अवैध रूप से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के नाम के साथ जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर सौंप दें ताकि जिला अनुमंडल पदाधिकारी से पुलिस बल मंगाकर बाजार के अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।वहीं उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी सामाजिक स्तर पर जाम की समस्या को दूर करने के लिए पहल करने की अपील की है।

पति की दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने विधि-विधान के साथ की वट सावित्री की पूजा, मांगी मन्नतें

बीएनएम। बेतिया

प्रत्येक साल ज्येष्ठ मास के अमावस्या तिथि को मनाया जाने वाला वट सावित्री पर्व सुहागिनों ने अपने पति के दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ मनाया. पारंपरिक श्रृंगार के साथ सुहागिन महिलाओं ने बांस की बनी डलिया में पूजन सामग्री लेकर वट सावित्री पूजन अनुष्ठान विधि विधान के साथ की. जेठ की भीषण गर्मी के चिलचिलाती धूप के बीच नंगे पैर पूजा की डाली लिये सुहागिन मंदिर और बरगद के पेड़ों तक पहुंची और पूजन की. मैनाटांड प्रखंड के तमाम देवालयों तथा उन सभी स्थलों पर सुहागिन महिलाओं एवं बच्चों की भीड़ देखने को मिला जहां बरगद के पेड़ हैं. इनरवा, भंगहा, मैनाटांड, पिराड़ी आदि गांवों में वटवृक्ष के नीचे सुहागिन महिलाओं द्वारा वट सावित्री पूजन हर्षोल्लास के साथ की गयी है. व्रतियों ने बताया की आज ही के दिन सावित्री ने बरगद पेड़ के नीचे अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज को शास्त्रगत सवालों से प्रसन्न कर वापस प्राप्त की थी. इसी मान्यता के मुताबिक अपने सुहाग की रक्षा व पति की लंबी उम्र की कामना को लेकर सुहागिन वट सावित्री का पूजन और व्रत करती है. उन्होंने बताया कि वट सावित्री पर्व परंपरा, परिवार और प्रकृति प्रेम का पाठ पढ़ाता है. पुराणों में इसे सौभाग्य को देनेवाला और संतान की प्राप्ति में सहायता प्रदान करने वाला माना गया है. इस व्रत का उद्देश्य सौभाग्य की वृद्धि और पतिव्रत के संस्कारों को आत्मसात करना है. इस व्रत में वटवृक्ष का बहुत खास महत्व होता है. पुराणों के अनुसार बरगद के पेड़ में त्रिदेव का निवास है. ब्रह्मा वट के जड़ भाग में, विष्णु तना में और महेश का वास ऊपरी भाग में है. वटवृक्ष पूजन के लिए सुहागिन महिलाओं ने सोलह श्रृंगार से से धज कर निर्जला व्रत के साथ पूजन सामग्री में सिंदूर, रोली, फूल, धूप, दीप, अक्षत, कुमकुम, रक्षा सूत्र, मिठाई, चना, फल, दूध, बांस के पंखे, नये वस्त्र के साथ एकत्रित होकर विधि विधान से वटवृक्ष की पूजा अर्चना की और सावित्री - सत्यवान तथा यमराज के कथा का श्रवण किया. तत्पश्चात हल्दी में रंगे रक्षा सूत्र के रूप में कच्चे धागे लेकर बरगद वृक्ष का सात बार परिक्रमा की और पेड़ में धागे को लपेटते हुये हर परिक्रमा में वृक्ष के जड़ में एक चना चढ़ायी और अपने पति एवं संतान की दीर्घायु होने की प्रार्थना की. इस दौरान वट वृक्ष की जड़ में दूध और जल भी चढ़ाया. पूजन व कथा श्रवण के बाद सुहागिनों ने एक दूसरे को सुहाग व श्रृंगार के सामान भेंट किये. सुहागिनों ने बरगद के कोमल अंकुर को चना के साथ निगलकर व्रत तोड़ी।

संपादकीय

सरकार बनाने की कवायद

चूंकि लोकसभा चुनाव परिणाम में कोई भी पार्टी बहुमत का जादुई आंकड़ा नहीं छू सकी है, इसलिए इतना तय है कि केंद्र में गठबंधन सरकार होगी। बेशक, भाजपा 240 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े 272 से यह संख्या काफी कम है। हालांकि भाजपा नीत गठबंधन की सीटों की संख्या 292 है, जबकि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के पास 233 सीटें हैं। इसलिए गठबंधन सरकार बनाने की कवायद दोनों तरफ से तेज हो गई है। साफ है कि सरकार बनाने में जदयू और तेलुगू देशम की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। ये दोनों अभी भाजपा के सहयोगी दल हैं। जदयू भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के महत्त्वपूर्ण घटक है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन के नेता दोनों दलों से संपर्क साधने में जुट गए हैं। इसलिए कि उन्हें लगता है कि इन दलों और भाजपा का सहयोग-साथ स्वाभाविक नहीं है, और भाजपा के साथ इन दलों के नेता सहज महसूस नहीं करते। जदयू के नेता नीतीश कुमार और तेलुगू देशम के नेता चंद्रबाबू नायडू के साथ ही रालोद मुखिया जयंत चौधरी, लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान समेत छोटे दलों पर भी 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की नजर है। नीतीश कुमार से मल्लिकार्जुन खरगे, शरद पवार जैसे 'इंडिया' गठबंधन के बड़े नेताओं को खास उम्मीद है क्योंकि इस गठबंधन के शिल्पकार नीतीश ही थे। बाद में घटनाक्रम ऐसा रहा कि वे स्वयं को 'इंडिया' गठबंधन में 'उपेक्षित' महसूस करने लगे और अपने समर्थकों के साथ भाजपा नीत एनडीए का हिस्सा बन गए। लेकिन राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू से भी 'इंडिया' गठबंधन को खासी उम्मीद है। दोनों नेता, हालांकि बाकायदा भाजपा के साथ हैं, लेकिन जिसके भी साथ होंगे सत्ता का पलड़ा उसके पक्ष में झुकाने में कारगर भूमिका निभा सकते हैं। वैसे अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि किसी तरफ के घटक दल को अपने साथ ले आना इतना आसान नहीं होता। चूंकि किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला है, इसलिए तोड़-जोड़ का खेल तेज होगा। आने वाले दिनों में एनडीए और 'इंडिया' के घटक दलों की यहां-वहां आवाजाही देखने को मिलेगी। बेशक, बदले हालात में राजनीतिक दलों की परिपक्वता कसौटी पर होगी। अलबत्ता, इतना साफ है कि मतदाता ने परिपक्वता दिखला दी है। सभी विशेषज्ञों के अनुमान से परे जाकर न तो किसी एक दल या गठबंधन को बहुमत दिया है, और न ही विभिन्न राज्यों में मतदान की दृष्टि से एक समान रुख दिखाया है।

मतदान में गिरावट के लिए दोषी सिर्फ मौसम नहीं

वर्ष 2029 में होने वाला अगला लोक सभा चुनाव अप्रैल के अंत तक खत्म हो जाएगा क्योंकि देश भर के कई राज्यों में तीव्र गर्मी के कारण मतदान में गिरावट आई है। यह कहना है मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का। इस बार आम चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर 1 जून तक हुए। इस दौरान उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में प्रचंड गर्मी और लू का प्रकोप बना रहा। उप्र और बिहार समेत अन्य राज्यों में चुनाव ड्यूटी में तैनात कई मतदानकर्मियों की गर्मी के चलते मौत तक हो गई। ढेरों गश खाकर गिर गए, उन्हें बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाना पड़ा। निर्वाचन आयोग ने स्वीकारा कि बदलते मौसम से हम सबक लेंगे। खुश होने की बात यह है कि इस बार चुनाव में 31.2 करोड़ महिलाओं समेत कुल 64.2 करोड़ देशवासियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर विश्व रिकॉर्ड कायम किया। दुनिया की सबसे बड़ी चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने में 68 हजार से अधिक निगरानी दल तथा डेढ़ करोड़ मतदान और सुरक्षाकर्मी तैनात थे। मुख्य चुनाव आयुक्त का कहना है कि 2024 के आम चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की 495 शिकायतें आई जिनमें से 90% से अधिक का निपटारा किया गया। हालांकि विपक्ष ने लगातार आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया। भीषण गर्मी में चुनाव कराने की आलोचनाओं के बाद अगले चुनाव अप्रैल में ही संपन्न कराए जाएंगे, कहने से आयोग की गलती छोटी नहीं हो जाती। अव्वल तो उस वक्त इस कुर्सी पर जो आयुक्त होगा, इस बारे में बेहतर ढंग से निर्णय लेने का इख्तियार उसका होगा। दूसरे, 42 दिनों लंबे सात चरणों की इस चुनाव अनुसूची को तय करते वक्त गर्मी बढ़ने के विषय में विचार किया जाना बेहद जरूरी था। कहना न होगा कि मौसम की यह मार अचानक नहीं हुई। देश के कुछ इलाकों में मई-जून के दरम्यान पड़ने वाली भीषण गर्मी से हम सब अच्छे से वाकिफ हैं। सवाल यह है कि चुनाव ड्यूटी पर मारे गए कर्मचारियों के परिवारों/आश्रितों के विषय में आयोग मौन क्यों रहा? उसे अपनी गलती सुधारने, उन्हें श्रृद्धांजलि देने के साथ आर्थिक मदद के लिए हाथ बढ़ाने के लिए आगे आने का प्रयास करते नजर आना चाहिए। सरकार से गुजारिश करनी चाहिए कि वह उनका बीमा करे, उन्हें चिकित्सा सुविधाएं दे और उनके योगदान की सार्वजनिक तौर पर सराहना की जाए।

भाजपा : जीत से ज्यादा सबक है

अठारहवीं लोक सभा चुनावों में भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी हो, लेकिन मोटे तौर पर देखें तो यह नतीजा उसके लिए सबसे बड़ा झटका ही माना जाएगा। 2014 में जब पार्टी 283 सीटों के साथ अपने दम पर बहुमत हासिल करके सत्ता में आई थी, तब कहा गया था कि देश का मतदाता प्रबुद्ध हो गया है। उसे अस्थिर सरकारें मंजूर नहीं हैं। 2019 के आम चुनाव ने इसी धारणा को आगे बढ़ाया और ब्रांड मोदी का नाम स्थापित हो गया, लेकिन 2024 में स्थितियां बदली हुई हैं। ये पंक्तियां लिखी जाते वक्त तक भाजपा अपने दम पर ढाई सौ का आंकड़ा भी पार करती नहीं दिख रही है। ऐसे में सवाल उठेंगे कि भारतीय जनता पार्टी कहां चूकी?

भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद जिस उत्तर प्रदेश से रही है, वहां पार्टी को सीटों का सबसे ज्यादा नुकसान है। बिहार में भी वह सबसे बड़ा दल होती थी, लेकिन इस बार उसे जनता दल (यू) मात देता नजर आ रहा है। वह आगे निकल गया है। पश्चिम बंगाल में उसे बड़ी जीत की उम्मीद थी, तकरीबन सारे एक्जिट पोल ऐसी ही उम्मीद जता रहे थे, लेकिन वैसा नहीं हुआ। उलटे उसकी सीटें भी घट गई। राजस्थान में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। राज्य की आधी सीटों पर ही जीत हासिल होती नजर आ रही है। पार्टी को हरियाणा में भी झटका लगा है। लेकिन प्रज्ज्वल रेवन्ना कांड के बाद जिस कर्नाटक से उसे सबसे ज्यादा झटके की उम्मीद थी, वहां से उसे उतना नुकसान नहीं हुआ है।

भाजपा भले ही तमिलनाडु से बहुत उम्मीद कर रही थी, लेकिन वहां भी उसे 2014 की तरह महज एक सीट पर ही जीत मिलती नजर आ रही है। भाजपा को महाराष्ट्र में भी बड़ा नुकसान हुआ है। पिछली बार पार्टी के यहां से 22 सांसद जीते थे। लेकिन इस बार उसकी सीटें आधी रह गई हैं। एनसीपी से अलग होकर भाजपा का साथ देने वाले अजित पवार को महज एक ही सीटें मिलती नजर आ रही हैं। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि भाजपा को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, बिहार और हरियाणा से बड़ा झटका लगा है। हालांकि पार्टी को सबसे ज्यादा समर्थन मध्य प्रदेश से मिला है। गुजरात में भी उसका गढ़ बचा हुआ है। असम, अरु णाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल में भी उसका जादू चल रहा है।

सवाल यह है कि आखिर, भाजपा उत्तर प्रदेश में क्यों कमजोर हो गई? फौरी तौर पर देखें तो सबसे बड़ा कारण यहां के युवाओं के गुस्से को बड़ा कारण माना जा रहा है। राज्य में बार-बार परीक्षाओं के पेपर आउट होते रहे। इससे युवाओं में गुस्सा रहा। इसकी वजह से उनकी नौकरियां लगातार दूर जाती रहीं। अग्निवीर योजना को लेकर विपक्षी दलों विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस तरह मुद्दा बनाया, उसने युवाओं में भाजपा के खिलाफ गुस्सा भर दिया। राम मंदिर के निर्माण के बाद समूचा देश जिस तरह राममय हुआ था, उससे भाजपा को उम्मीद थी कि पार्टी को रामभक्तों का बहुत साथ मिलेगा। लेकिन उत्तर प्रदेश में ही राम की लहर नहीं चल पाई।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की मौजूदा हालात के चलते 1999 का आम चुनाव याद आ रहा है। तब उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था, इस लिहाज से उत्तर प्रदेश में लोक सभा की 85 सीटें थीं। 1998 के आम चुनावों में भाजपा को राज्य से 52 सीटें मिली थीं। लेकिन बाद में कल्याण सिंह ने बागी रुख अपना लिया तो अगले ही साल हुए आम चुनावों में भाजपा की 23 सीटें घट गई। कुछ ऐसी ही स्थिति इस बार भाजपा की उत्तर प्रदेश में होती दिख रही है। पार्टी अपना आकलन तो करेगी, लेकिन मोटे तौर पर माना जा रहा है कि भाजपा को राज्य में सबसे ज्यादा नुकसान युवाओं के गुस्से, राज्य सरकार के स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार ना रोक पाने और गलत उम्मीदवार देने की वजह से हुआ। उदाहरण के लिए बलिया से नीरज शेखर की उम्मीदवारी पर पार्टी के ही लोगों को सबसे ज्यादा ऐतराज रहा। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी डाक मतमत्रों में छह हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चलते रहे, इसका मतलब साफ है कि भाजपा को लेकर राज्य में एक तरह से गुस्सा था, जिसे भांपने में पार्टी नाकाम रही। बिहार के बारे में माना जा रहा था कि नीतीश को नुकसान होगा लेकिन इसके ठीक उलट नीतीश अपनी ताकत बचाए रखने में कामयाब हुए हैं। राज्य में अब जनता दल सबसे बड़ा संसदीय दल है। तो क्या यह मान लिया जाए कि 2020 के विधानसभा चुनावों में कमजोर किए जाने की कथित कोशिश को पलट दिया है? पार्टी को महाराष्ट्र में शायद अजीत पवार को साथ लाना उसके वोटरों को पसंद नहीं आया। भाजपा ही उन्हें राज्य की सिंचाई घोटाले का आरोपी मानती रही और उन्हें ही उपमुख्यमंत्री बनाकर ले आई। जब कोई विपक्षी व्यक्ति पार्टी या गठबंधन में लाया जाता है, तो सबसे ज्यादा जमीनी कार्यकर्ता को परेशानी होती है। वह पसोपेश में पड़ जाता है कि कल तक वह अपनी पार्टी लाइन के लिहाज से जिसका विरोध करता रहा, उसका अब कैसे समर्थन करेगा। महाराष्ट्र का कार्यकर्ता इसीलिए निराश रहा। जिसका असर चुनावी नतीजों पर दिख रहा है। हरियाणा के प्रभुत्वशाली जाट मतदाताओं को सबसे ज्यादा गुस्सा अग्निवीर और शासन में उसकी घटती भागीदारी को लेकर रहा। इसकी वजह से यहां का अधिसंख्य मतदाता पार्टी से रुष्ट हुआ और नतीजा सामने है। राजस्थान में भाजपा का कार्यकर्ता ही मुख्यमंत्री भजनलाल को स्वीकार नहीं कर पा रहा है। पार्टी की दिग्गज नेता वसुंधरा को किनारे लगाया जाना भी भाजपा की अंदरूनी राजनीति पर असर डाला। इसका असर है कि पार्टी राज्य में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई। पश्चिम बंगाल में ममता अपने किले को बचाने में कामयाब रहीं। हालांकि ओडिशा में पार्टी का जबरदस्त प्रदर्शन रहा जहां राज्य सरकार के साथ ही संसद की ज्यादातर सीटों पर वह काबिज हो चुकी है। इस चुनाव ने यह भी संदेश दिया है कि गठबंधन की राजनीति खत्म नहीं हुई है। दो कार्यकाल में अपने दम पर बहुमत हासिल करने के चलते मोदी-शाह की जोड़ी लगातार अपने एजेंडे को लागू करती रही लेकिन अब गठबंधन की सरकार होगी, इसलिए अब इस जोड़ी को पहले के दो कार्यकाल की तरह काम करना आसान नहीं होगा। एक धारणा यह भी बन गई थी कि जिस संगठन के चलते भाजपा की पहचान थी, वह धीरे-धीरे किनारे होता चला गया। लेकिन बहुमत न हासिल होने की स्थिति में अब संगठन की अहमियत बढ़ेगी। इस चुनाव का संदेश यह भी है कि संगठन को जमीनी लोगों पर भरोसा करना होगा। भाजपा के लिए राहत की बात यह है कि तीसरी बार वह सत्ता पर काबिज होगी। उसने उन राज्यों में भी अपनी उपस्थिति बनाने में कामयाबी हासिल की है, जहां वह नहीं थी।

-उमेश चतुर्वेदी

अस्पताल : रखरखाव में हीलाहवाली क्यों

हाल में दिल्ली में बेबी केयर सेंटर में आग लगने से जो हादसा हुआ, उससे नर्सिंग होम और बेबी केयर सेंटर्स में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लग गए हैं। इस हादसे के बाद जांच में बहुत सारी खामियां मिल रही हैं। बेबी केयर सेंटर नर्सिंग होम के पंजीकरण पर संचालित किया जा रहा था और इसका लाइसेंस भी 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुका था। इसका रिन्यूअल नहीं कराया गया था। मौके पर आग बुझाने का कोई भी उपकरण मौजूद नहीं था और न ही किसी फायर फाइटिंग सिस्टम को लगाने का प्रयास किया गया था। आपातकालीन स्थिति में इमारत से बाहर निकलने के लिए कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था। इस घटना ने लोगों को दिल्ली में संचालित अन्य निजी नर्सिंग होम, बेबी केयर सेंटर, निजी क्लिनिक और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। इन अस्पतालों और नर्सिंग होम को चलाने के लिए किन नियमों का पालन करना पड़ता है और कहां से लाइसेंस लेना पड़ता है; इस संबध में कुछ जानकारियां हैं: सबसे पहले दिल्ली में नर्सिंग होम चलाने के लिए दिल्ली सरकार के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से नर्सिंग होम एक्ट के तहत लाइसेंस लेना होता है।

डीजीएचएस कार्यालय में पंजीकरण के लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद डीजीएचएस कार्यालय की ओर से नर्सिंग होम बिल्डिंग का निरीक्षण किया जाता है; यदि बिल्डिंग नियमों के तहत सही पाई जाती है, तो नर्सिंग होम चलाने का लाइसेंस दिया जाता है। दिल्ली का मास्टर प्लान 2021 के तहत जांच की जाती है कि उस रेजिडेंशियल एरिया, जहां सड़क की चौड़ाई 9 मीटर या उससे अधिक हो, में क्या नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए स्वीकृति दी जा सकती है। दूसरा, दिल्ली के फायर एक्ट के तहत फायर विभाग से नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए एनओसी तब लेनी होती है, जब उस बिल्डिंग की ऊंचाई

नौ मीटर से ज्यादा हो। बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर या उससे कम हो, तब एनओसी की जरूरत नहीं होती। तीसरा, चाइल्ड बेबी केयर सेंटर के लिए अलग से परमिशन की जरूरत नहीं पड़ती। उसे नर्सिंग होम के तहत ही पंजीकृत कराकर लाइसेंस लेकर चलाया जा सकता है। डीजीएचएस के जरिए ही बेबी केयर सेंटर को भी नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत कर सकते हैं। बेबी केयर सेंटर चलाने के लिए प्रशिक्षित पीडियाट्रिशियन, स्पेशलिस्ट डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्स की जरूरत होती है। डीजीएचएस द्वारा किसी भी नर्सिंग होम या अस्पताल को पहली बार तीन साल के लिए लाइसेंस दिया जाता है। लाइसेंस का समय खत्म होने से दो महीने पहले रिन्यूअल के लिए आवेदन करना चाहिए। इस बीच रिन्यूअल की अवधि समाप्त हो रही हो तो तब तक इंतजार करना चाहिए,जब तक डीजीएचएस से कोई सूचना नहीं आ जाती। लेकिन जब तक रिन्यूअल के लिए भेजे गए आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया जाता, तब तक अस्पताल और नर्सिंग होम संचालक अस्पताल चला सकता है। पंजीकरण या लाइसेंस अस्वीकृत होने के बाद ही उसको बंद किया जा सकता है। यदि डीजीएचएस कार्यालय देरी कर रहा है, तो विलंब की बाबत पूछताछ की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम या एनडीएमसी के नक्शे के हिसाब से ही बिल्डिंग बनानी पड़ती है। इस नक्शे और बिल्डिंग को देख कर ही डीजीएचएस की ओर से लाइसेंस दिया जाता है। उसके बाद ही नगर निगम या एनडीएमसी उस बिल्डिंग से हाउस टैक्स लेता है। नर्सिंग होम एक्ट के अनुसार 100 वर्ग मीटर के किसी भी प्लाट पर बनी बिल्डिंग में अस्पताल संचालित कर सकते हैं। भारत में अस्पताल स्थापित करने के लिए नैदानिक स्थापना अधिनियम, 2017 के तहत पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यह केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया है। इसके लिए पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। पंजीकरण के लिए अस्पतालों को उस श्रेणी के तहत न्यूनतम आवश्यकता पूरी करनी होती है, जिसके अंर्तगत वह आता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकरण में जब अस्पताल ने इसे किसी निगम/कॉरपोरेट के स्वामित्व में स्थापित किया हो। अधिनियम के लिए आवश्यक है कि निगम पंजीकृत हो और एसोसिएशन के ज्ञापन, लेख, पूंजी संरचना निर्माण, प्रतिभूतियों का आवंटन, खाता ऑडिट आदि जैसे निगमन की आवश्यकता को पूरा करता हो। संपूर्ण भारत में यदि स्वास्थ्य से संबंधित उपचार के लिए अस्पतालों को संचालित करना है, तो हमें स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना होगा, तभी जनमानस का ध्यान स्वास्थ्य लाभ के लिए अस्पतालों की ओर जाएगा, नहीं तो वे सिर्फ आम नागरिक की जेबों को खलास करने के अतिरिक्त कुछ नहीं करेंगे।

-भगवती प्रसाद डोभाल

आज का पंचांग

7 जून 2024 को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। इस तिथि पर मृगशीर्षा नक्षत्र और शुला योग का संयोग रहेगा। दिन के शुभ मुहूर्त की बात करें तो शुक्रवार को अभिजीत मुहूर्त 11:52-12:47 मिनट तक रहेगा। राहुकाल 10:36-12:19 मिनट तक रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : आज कार्य क्षेत्र के संबंध में जल्दबाजी में कोई बड़ा फैसला न ले. किसी नवीन योजना आदि पर खर्च होने की संभावना है. अपने व्यवहार को अच्छा बनाए रखें. पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान दें. भाई बहनों के साथ व्यवहार सहयोगात्मक बना रहेगा. अपने धैर्य को कम न होने दे.

वृषभ : आज आपको सुस्ती एवं आलस्य से बचना होगा. चुस्ती एवं फुर्ती के साथ अपने कार्य पर पूरे मनोयोग से ध्यान देना होगा. कार्य क्षेत्र में व्यर्थ भाग दौड़ बनी रहेगी. किसी लंबी यात्रा अथवा विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है.

मिथुन : आज कोर्ट कचहरी के मामले में आपके खिलाफ निर्णय आ सकता है. अतः आप ठीक से पैरवी करें . परिवार में कठोर वाणी का प्रयोग न करें. कार्य क्षेत्र में सरकारी विभाग द्वारा विघ्न उत्पन्न हो सकता है. अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है.

कर्क : आज कार्यक्षेत्र में नई मित्र बनेंगे. नौकरी में वाहन सुख बढ़ेगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा. बहुराष्ट्रीय कंपनीयों में कार्यरत लोगों को अपने अधिकारियों से निकटता का लाभ मिलेगा. व्यापार में अपनी योजना को विरोधियों को पता न चलने दें.

सिंह : आज बंधन मुक्त होंगे. कारावास से छूट जाएंगे. किसी पुराने से छुटकारा मिलेगा. दलाली दबंगई खेलकूद से जुड़े लोगों को विशेष सफलता एवं सम्मान मिलेगा. नाना नानी, दादा दादी आदि से धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. किसी जोखिमपूर्ण या साहसिक कार्य में सफलता मिलेगी.

कन्या : आज संतान के दायत्व की पूर्ति होगी. किसी अभिन्न मित्र से भेंट होगी. विद्यार्थियों की अध्ययन में अभिरुचि रहेगी. कार्य क्षेत्र में आपके बौद्धिक कौशल की सराहना होगी. आपके आपकी बौद्धिक कौशल को देख सभी आश्चर्यचकित हो जाएंगे. नौकरी में अधीनस्थ से निकटता बढ़ेगी.

तुला : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा . पहले से रुके हुए कुछ कार्य बनने की संभावना रहेगी. समाज में मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी. शत्रु पक्ष आपके साथ प्रतिस्पर्धा की भावना से व्यवहार करेंगे . शिक्षा आर्थिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को लाभकारी संभावना रहेगी.

वृश्चिक : आज कार्यक्षेत्र में व्यर्थ भागदौड़ बनी रहेगी. आजीविका की तलाश में इधर से उधर भटकना पड़ेगा. माता से अकारण अनबन हो सकती है. अपनी कार्य क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करें.

धनु : आज कोई शुभ समाचार मिलेगा. सगे संबंधियों, इष्ट मित्रों के सहयोग से कार्य की मुश्किलें कम होगी. समाज में उच्च पद प्रतिष्ठित लोगों के साथ संपर्क बढ़ेंगे. अपने ऊपर विश्वास रखें. व्यवसाय के क्षेत्र से जुड़े हुए व्यक्तियों को व्यापार में लाभ एवं उन्नति के योग बनेंगे.

मकर : आज रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा दूर होगी. कार्यक्षेत्र में योजना बद्ध से कार्य संचालन करना लाभदायक रहेगा. साझेदारी में व्यापार करने के योग बन सकते हैं. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों को अपने सहयोगियों के साथ व्यवहार करने से नई आशा की किरण जागेगी.

कुंभ : आज आपका दिन उतार-चढ़ाव रहेगा युक्त रहेगा. धैर्य पूर्वक कार्य करें. विरोधियों से सावधान रहें. जब तक कार्य पूरा ना हो जाए तब तक किसी से कार्य के संबंध में चर्चा न करें. अतिरिक्त परिश्रम करने से स्थिति में सुधार होगा. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियो की व्यक्तिगत समस्याएं बढ़ सकती है. नौकरी में अपने कार्य के प्रति अधिक ध्यान दें.

मीन : आज का दिन मिश्रित फल प्रदायक रहेगा. दिन की शुरुआत अति सुख एवं उन्नति कारक रहेगी. किसी लंबी दूरी की यात्रा या विदेश यात्रा पर जाने की योग बनेंगे. धार्मिक क्रियाकलापों में अभिरुचि बढ़ सकती है. कार्य क्षेत्र में चली आ रही विभिन्न बाधाएं कम होगी. आय के स्रोतों में वृद्धि होगी. कार्य क्षेत्र में व्यक्तियों को नवीन व्यवसाय के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी. नौकरी में अपनी वाणी पर संयम रखें. अन्यथा व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है. कार्यक्षेत्र में व्यर्थ भाग दौड़ अधिक रहेगी.

टैलेंट को दें प्लेटफॉर्म

ब्यूटी कॉन्टेस्ट्स से लेकर टेलीविजन पर आने वाले तमाम तरह के रियलिटी शोज के प्रतिभागियों में एक ख्वाहिश जरूर होती है, बॉलीवुड यानी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री करना। इसके लिए वे डांस, म्यूजिक, एक्टिंग आदि सभी कलाओं में खुद को माजते हैं और फिर करते हैं एक अच्छे ब्रेक का इंतजार। इन दिनों जिस तरह से डांस से लेकर ड्रामा तक के रियलिटी शोज टीवी पर छाए हुए हैं, उसे देखते हुए कहना गलत नहीं होगा कि आज भारत में एक्टिंग और फिल्म मेकिंग में करियर बनान को लेकर युवाओं की दिलचस्पी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। यही कारण है कि वे सिर्फ नेचुरल टैलेंट के दम पर ही नहीं, बल्कि बाकायदा ट्रेनिंग लेकर आ रहे हैं क्योंकि इस फील्ड में कमाई के साथ-साथ शोहरत भी बेशुमार है।

कैसे करें शुरुआत ?

वैसे तो बॉलीवुड को हिंदी फिल्मों का मक्का कहा जाता है, लेकिन यहां पहुंचने से पहले कई पड़ाव तय करने पड़ सकते हैं, जैसे- अगर आपको एक्टिंग का शौक है, तो टीवी चैनल्स के जरिये एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एंट्री कर सकते हैं। टीवी की पहुंच आज काफी बढ़ चुकी है। आप टीवी पर आने वाले सीरियल्स, रियलिटी शोज, गेम शोज, डॉक्युमेंट्रीज, कॉमर्शियल्स में काम कर सकते हैं। इससे आपको अपना हुनर दिखाने का एक प्लेटफॉर्म तो मिलेगा ही, साथ में अपॉर्च्युनिटीज भी बढ़ेंगी।

स्किल्स पर करें काम

एक्टर के लिए मौकों की कमी नहीं होती है, लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में खुद को बेहतर साबित करना एक बड़ा चैलेंज होता है। आप लंबी रेस के घोड़े तभी बने रह सकते हैं, जब आपमें धैर्य, आत्मविश्वास, एक्टिंग का पैशन, मेहनत करने की क्षमता और सीखने की ललक होगी। इसके अलावा, किसी प्रोफेशनल के मागदर्शन में एक्टिंग स्किल्स को पॉलिश करना भी जरूरी होगा। भारत में कई इंस्टीट्यूट ड्रामा और एक्टिंग में डिप्लोमा एवं डिग्री कोर्स संचालित करते हैं। इसके अलावा, आप चाहें तो शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेज भी कर सकते हैं।

तकनीकी पक्ष पर भी दें ध्यान

एक्टिंग में करियर बनाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी तो आपके अंदर नेचुरल टैलेंट का होना ही है। लेकिन इस हुनर को और तराशने से फायदा ही होगा, जैसे- अच्छी मॉड्यूलेटेड वॉयस, डांसिंग कैपिसिटी और रिदम की सेंस होने से आप कॉन्फिडेंस के साथ काम कर सकेंगे। आपमें अलग-अलग किरदारों में खुद को ढालने की क्षमता भी होनी चाहिए। ऐसे में अगर ये सारी क्वालिटीज आपके अंदर हैं, तो फिर एक्टिंग में भविष्य संवारने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

स्टेप-बाइ-स्टेप आगे बढ़ें

अगर आपके पास नेटवर्किंग स्किल है, तो कॉन्टैक्ट या नेटवर्क बनाना आसान होगा और आप एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जल्दी सक्सेसफुल हो सकते हैं। इस स्किल की वजह से आप अपने रोल के लिए एजेंसीज से कॉन्टैक्ट कर सकेंगे। हां, इसमें पोर्टफोलियो की भूमिका भी अहम होती है। पोर्टफोलियो बनाने के लिए किसी स्थापित फोटोग्राफर की मदद ले सकते हैं, जो आपके अलग-अलग मूड्स और एक्सप्रेशंस को कैमरे में कैद कर सके। पोर्टफोलियो बनने के बाद आप कास्टिंग एजेंट से बात कर अपना रिज्यूमे दे सकते हैं। इसमें आपके अचीवमेंट्स, क्वालिटी और एक्सपीरियंस हाइलाइट होने चाहिए। इसके बाद जब भी आपको ऑडिशन के लिए बुलाया जाए, तो पूरे कॉन्फिडेंस के साथ इंटरव्यू और कैमरा फेस करने की कोशिश करें। शुरुआत में पॉजिटिव रिजल्ट न भी मिले, तो हताश न हों। अपनी कोशिश जारी रखें। जब कभी मौका मिले, उसके जरिए खुद को प्रूव करने का प्रयास करें। एक बार अभिनय क्षमता का लोहा मनवाकर अपनी पहचान बना सकते हैं।

संभावनाएं बेशुमार

एक अच्छा ब्रेक मिलने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में करियर की बुलंदियों को अपनी मेहनत से छूना ज्यादा मुश्किल नहीं होता है। थोड़ा-बहुत रोल टाइमिंग, नेटवर्किंग और लक का भी होता है। लेकिन खुद पर विश्वास हो, तो सफल होने से कोई रोक नहीं सकता। एनआरएआइ, दिल्ली के डायरेक्टर नलिन सिंह के अनुसार, एक एक्टर के तौर पर अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस, टीवी, रेडियो चैनल, स्टेज एक्टर, प्राइवेट वीडियोज, टीवी शोज, कॉमर्शियल्स आदि में काम करने के अनेक मौके होते हैं। शुरुआत में बेशक कुछ कम कमाई हो, लेकिन अनुभव और लोकप्रियता बढ़ने के साथ आप एक एपिसोड के लिए एक से दो लाख रुपये के बीच आसानी से कमा सकते हैं। फिल्मों में पांच लाख रुपये से शुरुआत कर करोड़ों रुपये की कमाई की जा सकती है। फिल्म एवं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की ग्रोथ के साथ ही फिल्म मेकिंग एक उभरते हुए करियर के रूप में सामने आया है। आज इंडस्ट्री में अनेक ऐसे युवा प्रोफेशनल्स हैं, जिन्होंने टेक्नोलॉजी और क्रिएटिविटी के मिश्रण के जरिये शानदार फिल्में बनाई हैं। उन्होंने दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों का दिल भी जीता है। अगर आपमें भी यह हुनर है, तो इस फील्ड में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर है।

क्या है फिल्म मेकिंग?

यह एक टीम वर्क है, जिसमें अलग-अलग तरह के स्किल्ड लोगों के साथ तालमेल बिठाकर काम करना होता है। इसमें एक्टिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग, सिनेमेटोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग, विजुअल मिक्सिंग, सिंगिंग एडिटिंग आदि शामिल हैं। ऐसे में एक फिल्ममेकर को इन सभी क्षेत्रों पर बराबर से ध्यान देना पड़ता है। इस तरह वह फीचर फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, न्यूज रील्स, प्रमोशनल फिल्म्स, टीवी कॉमर्शियल्स, म्यूजिक वीडियोज का निर्माण करता है।

कैसे होता है काम?

एक फिल्म मेकर बनने के लिए आपके पास क्रिएटिविटी, सेंसिटिविटी, फोकस, सेल्फ डिसिप्लिन, मोटिवेशन के साथ-साथ टेक्निकल नॉलेज होनी जरूरी है। आपको कई तरह के आइडिया, स्टोरी, स्क्रिप्ट, कास्ट, स्क्रीनप्ले, म्यूजिक, डायरेक्शन, बजट, सेट, लोकेशन आदि पर काम करना होता है, यानी एक फिल्म मेकर को फिल्म के लिए पूंजी का इंतजाम करने से लेकर उसके डिस्ट्रिब्यूशन, स्क्रीनिंग जैसे सभी पहलुओं को देखना होता है। भारत में कई इंस्टीट्यूट्स हैं, जो फिल्म मेकिंग में डिप्लोमा और डिग्री कोर्स ऑफर करते हैं।

करियर की संभावनाएं

वैसे तो फिल्म मेकिंग एक चैलेंजिंग जॉब है, लेकिन इसमें रोजगार की कमी नहीं है। अगर आपके पास किसी तरह की आर्टिस्टिक या टेक्निकल स्किल हो, तो इस फील्ड में अपना फ्यूचर सिक्योर कर सकते हैं। आप बतौर सिनेमेटोग्राफर, साउंड इंजीनियर, एडिटर काम का काम भी कर सकते हैं।

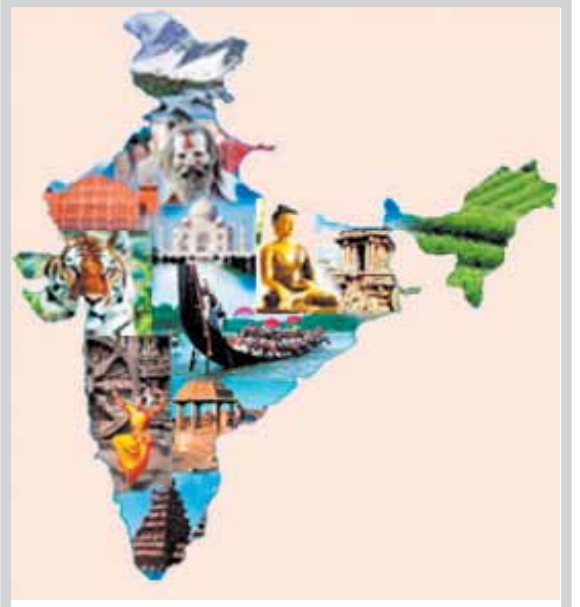

स्मारकों के लिए प्रोफेशनल रेस्टोरर की डिमांड

सरकार द्वारा टूरिज्म सेक्टर को बढ़ावा देने के मकसद से महत्वपूर्ण मॉन्यूमेंट्स पर खास ध्यान दिया जा रहा है, ताकि सरकार को ज्यादा से ज्यादा रेवेन्यू मिल सके। मॉन्यूमेंट्स के रख-रखाव के लिए प्रोफेशनल रेस्टोरर की काफी डिमांड है। इस फील्ड्स से जुड़े प्रोफेशनल्स को सरकार और प्राइवेट कंपनियों द्वारा अच्छी सैलरी ऑफर की जाती है..

कुछ साल पहले ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल करने के लिए एक मुहिम चलाई गई थी। उस समय भारत से करोड़ों लोगों ने इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। ताज दुनिया के सात अजूबों में शामिल हो गया। मॉन्यूमेंट्स न सिर्फ देश की धरोहर होते हैं, बल्कि इनसे सरकार को करोड़ों डॉलर की कमाई भी होती है। पर्यटन को आगे बढ़ाने में मॉन्यूमेंट्स का अहम रोल होता है। मॉन्यूमेंट्स को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की अहम भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक इंडस्ट्री का रूप ले लिया है। मार्केट में प्रोफेशनल रेस्टोरर की काफी डिमांड है।

क्या है आर्ट रेस्टोरेशन?

समय गुजरता जाता है, लेकिन हमारी धरोहरें सदियों तक इतिहास को यादगार बनाए रखती हैं। इन धरोहरों को संरक्षित रखने में आर्ट रेस्टोरर बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं। इसके तहत आर्ट रेस्टोरर पुरानी धरोहरों, पेंटिंग्स आदि को दोबारा उसी रूप में संरक्षित करने का काम करते हैं, जैसा वे सदियों पूर्व हुआ करती थीं। घर में कोई पेंटिंग रखी है, जो 100 साल या फिर 150 साल या इससे भी अधिक पुरानी है। उस पर धूल जम गई है, उसकी चमक फीकी पड़ गई है। ऐसे में आप किसी आर्ट रेस्टोरर के पास जाकर उसे पुन- उसी रूप में हासिल कर सकते हैं, जैसा वह पहले था। लाल किला, कुतुब मीनार, ताजमहल जैसी ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आर्ट रेस्टोरर अहम भूमिका निभाते हैं।

कैसे बनें आर्ट रेस्टोरर

इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके प्रति इंट्रेस्ट होना जरूरी है। अगर इंट्रेस्ट होगा, तो आपकी ग्रोथ ज्यादा तेजी से हो सकेगी, क्योंकि इस फील्ड में पेशेंस की बहुत जरूरत होती है। किसी भी मान्यूमेंट्स को दोबारा उसी रूप में लाने के लिए न सिर्फ काफी मेहनत करनी पड़ती है, बल्कि काफी समय भी लगाना पड़ता है। आर्ट रेस्टोरर बनने के लिए नेशनल म्यूजियम इंस्टीटयूट से कोर्स किया जा सकता है। दिल्ली स्थित नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट दो साल का मास्टर्स डिग्री कोर्स ऑफर करता है। कुछ प्राइवेट संस्थानों में भी इस तरह के कोर्स की शुरुआत हुई है। इस दौरान एक स्टूडेंट को पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यू स्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है।

क्वालिफिकेशन

कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

जॉब की संभावनाएं

इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल सकता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का एक्सपीरियंस होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क शुरू कर सकते हैं। चाहें तो विदेश में भी जॉब हासिल कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिल सकता है। कई बड़ी कंपनियां आर्ट रेस्टोरर को बतौर एम्प्लॉयी भी नियुक्त करती हैं। यही नहीं, इस कोर्स को करने के बाद आपको गवर्नमेंट जॉब भी मिल सकती है। ज्यादातर म्यूजियम्स में एक्सप?र्ट्स की जरूरत होती है। इसके साथ ही आप पार्टटाइम जॉब भी कर सकते हैं। यदि आपको सरकारी नौकरी न मिले, तब भी आप स्वतंत्र रूप से काम करके अच्छी कमाई कर सकते हैं। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता, जयपुर जैसे शहरों में आर्ट कंजर्वेटर्स की खूब मांग है।

टैलेंट का पारखी बने प्रबंधन

हुनर सबमें है पर एक व्यक्ति की योग्यता-पारंगतता कहीं फिट बैठती है तो किसी दूजे की कहीं दूसरी जगह। कुछ न कुछ गुण सबमें हैं पर पहचान की कमी है। ज्औैर शायद पहचानने वालों का भी अभाव ही है। पिछले दिनों मैनपावर ग्रुप का एक सर्वे आया है जिसमें भारत समेत दुनियाभर के 42 देशों में उद्यमियों-नियोक्ताओं को टैलेंट यानी गुणी व 'काम के' लोगों की कमी झेलनी पड़ रही है। कई अहम क्षेत्रों में उतनी संख्या में वांछित तकनीकी ज्ञान व कुशलता-क्षमता से लेस प्रोफेशनल कंपनी प्रबंधकों को नहीं मिल रहे हैं। साथ ही अनुभवी और लेंग्वेज कम्युनिकेशन जैसी स्किल के अभाव से भी कंपनियों को दो-चार होना पड़ रहा है। जब ऐसे उम्मीदवार नौकरी के लिए आवेदन करने वाले शिक्षित-डिग्रीधारी युवाओं में ढूंढ़े नहीं मिलते तो बड़ी समस्या आती है। वे अपने क्लाइंट्स (ग्राहकों) को संतुष्ट नहीं कर पाते। दरअसल, कंपनी की सेवा से सरोकार रखने वाले, माल खरीदने वाले संगठन व व्यक्ति किन्हीं अयोग्य व काम को सही से न जानने-समझने वाले अनुपयुक्त-अनाड़ी प्रोफेशनल के हाथों नहीं सौंपे जा सकते। कंपनी से सरोकार रखने वाली किसी भी एजेंसी को स्किल्ड व सुलझा हुआ कर्मी ही 'हैंडल' कर सकता है।

दरअसल, ऐसी शिकायतें सर्वे के मुताबिक, दुनियाभर से 50 फीसदी नियोक्ताओं की हैं। इसके अलावा 40 फीसदी उद्यमी कहते हैं कि बेहतर स्किल्ड ह्यूमन रिसोर्स की कमी में उनकी उत्पादकता एवं प्रतिस्पर्द्धा क्षमता दोनों पर गलत असर पड़ रहा है। इन व्यवसायियों में चौथाई हिस्सा नये व बेहतर टैलेंट स्रोत का दोहन करने में लगा है। उक्त सर्वे के मुताबिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों में कुछेक कार्य-क्षेत्रों में तो अच्छे टैलेंटिड केंडिडेट का बेहद 'टोटा' है। इंजीनियर्स, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव, प्रशिक्षित व्यापार, अकाउंटिंग व फाइनेंस प्रोफेशनल, सेल्स मैनेजर, टेक्नीशियन आईटी वाले, प्रबंधकीय कार्यकारी, रिसर्चर (आर एंड डी) तथा उत्पादन के क्षेत्र में मशीनें ऑपरेट करने वाले हुनरमंद कर्मी नहीं मिल रहे हैं।

सर्वेक्षण के दौरान 42 देशों के 37000 एंप्लायर (नियोक्ताओं) से इस बाबत पूछा गया। स्थिति जापान में सर्वाधिक उल्लेखनीय है जहां उपयुक्त टैलेंट की सबसे ज्यादा 81? कमी बताई गयी। पेरु में 67 प्रतिशत अभाव है तो तीसरे नंबर पर भारत में करीब 64 फीसदी योग्य प्रोफेशनल की दरकार है। 'टैलेंट की कमी लगातार बनी है और यह अपने ग्राहकों को बढिय़ा-गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करने में कंपनियों के आड़े आ रही है।'-यह कहना है मैनपॉवर ग्रुप के मुख्य कार्यकारी जोनास पराइजिंग का। दुनियाभर में 36 फीसदी कंपनियां सही-वांछित स्किल से युक्त प्रोफेशनल की कमी से जूझ रही हैं।

वहीं दूसरी ओर सर्वे में उभरे उक्त सारे हालात और शिकायतों पर एचजीसीएल लिमिटेड के एचआर टिप्पणी एक पॉजिटिव संकेत करती है। उनका कहना है कि 'हरेक शख्स को किसी एक, किन्हीं दो या ज्यादा गुणों-क्षेत्रों में महारत हासिल होती है। दरअसल हरेक कंपनी को अपने उस ताने-बाने से बाहर आकर एक कर्मी की उत्पादकता-कुशलता-क्षमता या टैलेंट पता लगाना होगा।' वे आगे बताते हैं कि हम अपने पूर्वाग्रहों में कैद रहते हैं। नये ढंग से टैलेंट की खोज व विकास नहीं कर रहे। और यही प्रक्रिया टैलेंट की पहचान करने से रोक रही है।

जानकारों-विशेषज्ञों का मत है कि उपयुक्त तरीके के मूल्यांकन टूल्स व मैथ्डोलोजी (सैद्धांतिक विधि) के बिना एक व्यक्ति के टैलेंट को नहीं आंका जा सकता। एक कर्मी के कार्य-विशेष और सांस्कृतिक माहौल को ध्यान में रखते हुए ही निष्कर्ष निकालें। प्रबंधन कर्मियों को तरक्की देते वक्त तथ्य आधारित, निष्पक्ष एवं ऑब्जेक्टिव नजरिया रखें तो टैलेंट की कमी वाली कोई बात ही नहीं है।

'हमारा फोकस भारत जैसी ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में होने वाले विकास को ध्यान में रखकर लीडरशिप स्किल डिवेल्पमेंट पर होना चाहिये। नेतृत्व के गुणों की कमी भारत व शेष विश्व में बड़ी उत्पादकता चुनौती मानी जा रही है। बस, मैनेजमेंट टैलेंट ढूंढने में व विकसित करने के मामले में निष्पक्ष दृष्टि अपनाए तो यह चुनौती समाप्त समझो।'-त्रिपाठी बताते हैं। उनके मुताबिक ऐसी वर्क कल्चर की जरूरत है जो 'रियल टैलेंट' को आकर्षित करे, डिवेलप करे तथा सामर्थ्य दे। उनमें वफादरी की भावना भरना भी उतना ही जरूरी है, संगठन के प्रति। और मजबूत टैलेंट प्रवाह के लिए प्रभावी समग्रता भी जरूरी शर्त है।

संक्षिप्त समाचार

यूरो कप 2024 से पहले फ्रांस ने मैत्री मैच में लक्जमबर्ग को 3-0 से हराया

मेट्ज़। फ्रांस ने बुधवार को एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में लक्जमबर्ग को 3-0 से हराकर यूरोपीय चैम्पियनशिप के लिए अपनी तैयारियों को मजबूती प्रदान की। मैच के 43वें मिनट में रैंडल कोलो मुआनी ने किलियन एमबाप्पे के पास पर हेडर के जरिये गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद दूसरे हाफ में मार्सिले के डिफेंडर जोनाथन क्लॉस ने 70वें मिनट में एक तेज गोल करके अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। एमबाप्पे, जिनके मैड्रिड में शामिल होने की पुष्टि सोमवार को हुई, लक्जमबर्ग के कड़ी मेहनत करने वाले डिफेंडरों के लिए लगातार खतरा बने हुए थे, लेकिन फ्रांस के कप्तान को अपने प्रदर्शन को गोल में बदलने के लिए 85 वें मिनट तक इंतजार करना पड़ा। एमबाप्पे ने ब्रैडली बारकोला के पास पर बाएं ओर से गेंद पोस्ट में डालकर फ्रांस की बढ़त 3-0 कर दी और यही स्कोर अंत में निर्णायक साबित हुआ।

फ्रेंच ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में

पेरिस। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 11वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर पर 6-4, 7-6(5), 6-4 से जीत के बाद लगातार चौथे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले सेट में ब्रेक एडवांटेज गंवाने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की और पहला सेट जीत लिया। इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच पर नियंत्रण कर लिया। इसके बाद ज्वेरेव ने तीसरे सेट में फ्रंट-फुट टेनिस खेला, 5-3 पर मैच में सर्विस गंवाने के बाद वापसी की और अगले गेम में डी मिनौर की सर्विस तोड़कर दो घंटे और 59 मिनट के बाद जीत हासिल की। एटीपी के हवाले से ज्वेरेव ने कहा, "मेरी सोच है कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए आपको बाकी सभी से ज़्यादा मेहनत करनी होगी और मुझे लगता है कि सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ऐसा ही कर रहे हैं।" एटीपी रैंकिंग में चौथे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव ने अपने पिछले 11 मैच जीते हैं, जिसमें पिछले महीने रोम में उनका छठा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी शामिल है। ज्वेरेव शुक्रवार को सेमीफाइनल में कैस्पर रूड का सामना करेंगे, जहाँ वे अपनी जीत की लय को 12 मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे। रूड को अपने क्वार्टर-फ़ाइनल मैच के लिए नोवाक जोकोविच से वॉकओवर मिला। ज्वेरेव ने कहा, "मेरे लिए, मैं अपनी सीमा तक काम करना पसंद करता हूँ और अगर मैं ऐसा करता हूँ, तो पाँच सेट खेलना इतना मुश्किल नहीं है। मैं पिछले कई सालों से ऐसा कर रहा हूँ और मुझे खुशी है कि इसका फ़ायदा मिल रहा है। मैं एक और सेमीफाइनल में पहुँचकर खुश हूँ।" ज्वेरेव का रोलांड गैरोस में 33-8 का रिकॉर्ड है, जहाँ वह लगातार अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। हालाँकि, 27 वर्षीय ज्वेरेव कभी भी इस इवेंट में खिताबी मुकाबले तक नहीं पहुँच पाए और 2022 में पेरिस में उन्हें एक भयावह झटका लगा, जब राफेल नडाल के खिलाफ़ अपने सेमीफाइनल में उन्हें टखने में लंबे समय तक चोट लगी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी ने इस सप्ताह की शुरुआत में टैलोन ग्रीक्सपूर और होल्गर रून को पाँच सेटों में हराया। उन्होंने पहले दौर में 14 बार के रिकॉर्ड धारक राफेल नडाल और दूसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 7 डेविड गोफ़िन को भी हराया।

भारत के पास न्यूयॉर्क की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने का अनुभव और कौशलः विक्रम राठौर

न्यूयॉर्क। बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि भारत के पास नासाउ काउंटी मैदान की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने के लिए पर्याप्त अनुभव और कौशल है, जिसकी असमान उछाल ने चिंता पैदा कर दी है। हालांकि, राठौर ने यह भी माना कि ऐसी परिस्थितियों में टॉस महत्वपूर्ण हो जाता है। बुधवार को टी20 विश्व कप के पहले मैच में आयरलैंड के खिलाफ भारत की आठ विकेट की जीत के दौरान जोश लिटिल की गेंद पर कप्तान रोहित शर्मा के दाएं हाथ की बाइसेप पर चोट लगी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। ऋषभ पंत को भी अपनी नाबाद 36 रन की पारी के दौरान बायीं कोहनी पर चोट लगी थी, जो इस बात का एक और संकेत था कि पिच में असमान उछाल और परिवर्तनशील गति है। राठौर ने मैच

के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम नियंत्रण में रहने की कोशिश कर रहे हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट था और हम ऐसे विकेट की उम्मीद कर रहे थे क्योंकि हमने यहां अभ्यास मैच खेला था, इसलिए हमें पता था कि क्या उम्मीद करनी है।" भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, "हमें इससे निपटने का तरीका खोजने की जरूरत है और हमारी टीम में इससे निपटने के लिए पर्याप्त कौशल और पर्याप्त अनुभव है।" उन्होंने यह स्वीकार किया कि ऐसी परिस्थितियों में टॉस जीतना महत्वपूर्ण हो जाता है, लेकिन वह पहली पारी में अच्छे स्कोर के बारे में निश्चित नहीं थे। उन्होंने कहा, "ऐसी परिस्थितियों में टॉस बहुत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन सौभाग्य से, हमने टॉस जीता, इसलिए यह एक शानदार शुरुआत थी, लेकिन आप फिर से इसे नियंत्रित नहीं कर सकते। भले ही हम टॉस हार जाएं और हमें पहले बल्लेबाजी करनी पड़े, फिर भी हमें स्थिति और पिच से निपटने के तरीके खोजने होंगे।" भारत को रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले धमाकेदार मुकाबले सहित इस पिच पर दो और मैच खेलने हैं, राठौर ने भरोसा जताया कि टीम का बल्लेबाजी समूह रन बनाने के तरीके ढूंढ लेगा। उन्होंने कहा, "हमारे पास पर्याप्त अच्छे बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह की सतह पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं - यह कई वर्षों से हमारी ताकत रही है।" विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टी20 विश्व कप में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे, जिन्होंने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। राठौर ने पूरी तरह से फिट हार्दिक पांड्या की वापसी पर भी खुशी जताई। राठौर ने कहा, "हां, इस समय पंत हमारे नंबर 3 बल्लेबाज हैं, चूंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, इसलिए हमें उनसे ज्यादा मदद की उम्मीद है । वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्होंने जो दो मैच (वार्म-अप और आयरलैंड) खेले हैं, उनमें वह वास्तव में बहुत अच्छे दिखे हैं।" पंत और पांड्या दोनों ने आईपीएल में अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करने के बाद टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। भले ही उन्होंने मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में बड़ी संख्या में रन नहीं बनाए, लेकिन भारत के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि देश में कोई भी ऐसा नहीं है जो एक ऑलराउंडर के रूप में पांड्या के कौशल की बराबरी कर सके। बुधवार को, पांड्या ने अपनी लाइन और लेंथ के साथ तेजी और सटीकता दिखाई और अक्टूबर 2023 के बाद से अपने पहले मैच में 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिया। राठौर ने कहा, "हार्दिक वाकई बहुत अच्छे दिखे। मेरा मतलब है, पहले मैच में भी और अभ्यास में भी वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वह चार ओवर तक खेलने के लिए काफी फिट दिख रहे हैं और वह कुछ गति और कुछ सटीकता के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं, इसलिए हाँ, यह बहुत बढ़िया है।"

इंग्लैंड दौरे के लिए लॉरेन डाउन की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन। पहली बार मां बनने के कारण क्रिकेट से ब्रेक लेने के बाद लॉरेन डाउन की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हो गई है। फरवरी 2023 में टी20 विश्व कप में आखिरी बार खेलने वाली डाउन को न्यूजीलैंड के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया है। मिकाएला ग्रेग को वनडे और टी20 दोनों मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था, दोनों प्रारूपों में शामिल हैं। इस बीच, तेज गेंदबाज रोजमेरी मैयर पीठ की समस्या के कारण सीरीज से बाहर हो गई हैं, जिसके कारण उन्हें अप्रैल में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर होना पड़ा था। हेले जेन्सन को भी चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह पिंडली की चोट के लिए पुनर्वास से गुजर रही हैं। ली ताहुहु, जो अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए न्यूजीलैंड में होंगी, टी20आई श्रृंखला के लिए

टीम में शामिल होंगी। हेड कोच बेन सॉयर ने एक आधिकारिक बयीन में कहा, "हम लॉरेन को व्हाइट फर्न्स में वापस पाकर बहुत खुश हैं। वह पिछले चार महीनों से खुद को ऐसी स्थिति में लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, जहाँ वह खेलने के लिए आत्मविश्वास महसूस करती है, और यह दौरा उसे वापस लाने का सही समय लगता है। हर सीरीज़ हमारी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन को परखने का एक अवसर है, और टी20 और वन डे विश्व कप के साथ यह देखना अच्छा होगा कि लॉरेन और मिकेला कहाँ फिट बैठती हैं।" सॉयर ने कहा, "खिलाड़ियों ने पिछले छह सप्ताह अविश्वसनीय रूप से कठिन प्रशिक्षण में बिताए हैं और हम तैयारी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जब हमने घर पर इंग्लैंड का सामना किया तो हमें वह परिणाम नहीं मिले जिसकी हम उम्मीद कर रहे थे, लेकिन हमने कई खिलाड़ियों से साहसी प्रदर्शन देखा, जो वास्तव में आशाजनक था। जब भी आप इंग्लैंड जैसी विश्व स्तरीय टीम के साथ उनके ही घर में खेलते हैं तो यह एक चुनौती होती है। लेकिन जो मेहनत की गई है, उसके साथ हम सफल होने के लिए खुद को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में ले आए हैं।" यह सीरीज जून के आखिर में वनडे चरण के साथ शुरू होगी। तीन 50 ओवर के मैच क्रमशः 26 जून, 30 जून और 3 जुलाई को डरहम, वॉर्सेस्टर और ब्रिस्टल में खेले जाएंगे। इसके बाद पांच टी20 मैच 6 जुलाई (साउथेम्प्टन), 9 जुलाई (होव), 11 जुलाई (कैंटरबरी), 13 जुलाई (द ओवल) और 17 जुलाई (लॉर्ड्स) को खेले जाएंगे । न्यूजीलैंड की टीम इस प्रकार हैः सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन (वनडे), इजी गेज (विकेट कीपर), मैडी ग्रीन, मिकेला ग्रेग, ब्रुक हैलीडे, फ्रान जोनास, लेघ कास्पेरेक (टी20आई), जेस केर, मेली केर, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, ली ताहुहु (टी20आई)।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में आस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने वार्नर

ब्रिजटाउन। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पीछे छोड़ते हुए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में आस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपना आखिरी टी20 विश्व कप खेल रहे वार्नर ने गुरुवार को केंसिंग्टन ओवल में ओमान के खिलाफ अपने पहले मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 51 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रनों की पारी खेली और अपने पूर्व बल्लेबाजी साथी को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए 104 मैचों में वार्नर ने 33.92 की औसत से 3,155 रन बनाए हैं। उन्होंने अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 27 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। दूसरी ओर, फिंच ने 103 मैचों में 19 अर्द्धशतक और दो शतकों की मदद से 3120 रन बनाए हैं। ऑलराउंडर मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 मैचों में 2,468 टी20आई रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन 1,462 रनों के साथ

चौथे और कप्तान मार्श 55 मैचों में 1,446 रन के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ओमान के खिलाफ अपनी शानदार पारी में उन्होंने मार्कस स्टोइनिस के साथ 102 रन की साझेदारी भी की, जिन्होंने 36 गेंदों पर छह छक्कों और दो चौकों की मदद से 67 रन की नाबाद तेज पारी खेली, जिससे टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 164 रन बनाने में सफल रही। जवाब में ओमान की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 125 रन ही बना सकी। जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद ऑस्ट्रेलिया अब 8 जून को इसी स्थान पर मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगा।

व्यापार

एनडीए सरकार की आहट से शेयर बाजार गुलजार, सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल

नई दिल्ली। केंद्र में एनडीए सरकार बनने की बात लगभग निश्चित हो जाने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज उत्साह का माहौल नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव भी कुछ देर के लिए बनता नजर आया। लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर शेयर बाजार की गति को दोबारा तेज कर दिया। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.77 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोल इंडिया, एनटीपीसी, ओएनजीसी, श्रीराम फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर 4.22 प्रतिशत से लेकर 3.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान युनिलीवर, डिवीज लेबोरेट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और नेस्ले के शेयर 2.51 प्रतिशत से लेकर 1.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,181 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,972 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 209 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 9 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 696.46 अंक उछल कर 75,078.70 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफावसूली के चक्कर में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 550 अंक टूट कर 74,526.06 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद खरीदारों ने बाजार में मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी। हालांकि बीच-बीच में बाजार को बिकवाली का झटका भी लगता रहा। इसके बावजूद लगातार हो रही खरीदारी के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी बनी रही। बाजार में लगातार जारी खरीद और बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 572.02 अंक की मजबूती के साथ 74,954.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 178.25 अंक की तेजी के साथ 22,798.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने की वजह से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 150 अंक टूट कर 22,642.60 अंक तक लुढ़क गया। लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 167.80 अंक की बढ़त के साथ 22,788.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 2,303.19 अंक यानी 3.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,382.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 735.85 अंक यानी 3.36 प्रतिशत उछल कर 22,620.35 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में कमजोरी, सस्ता हुआ सोना और चांदी

नई दिल्ली। एक दिन की बढ़त के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना और चांदी सस्ता हुआ हैं। सोना आज 220 रुपये से 250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई इस गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये से लेकर 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये से लेकर 67,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है। इस गिरवाट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी करीब 2,500 रुपये टूट कर 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार

कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 72,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एप्पल को पछाड़कर दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी एनवीडिया

नई दिल्ली। अमेरिका की सेमीकडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एप्पल को पछाड़कर दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। शेयर में आई तेजी से एनवीडिया का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) उछलकर 3.011 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 251 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है। वहीं, एप्पल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 250 लाख करोड़) है। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी की एनवीडिया कॉर्प और दुनिया की सबसे वैल्युएबल कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के बाजार पूंजीकरण में सिर्फ 3.15 ट्रिलियन डॉलर का अंतर है। दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी

माइक्रोसॉफ्ट 3.151 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप के साथ पहले नंबर है, जबकि 3.011 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप के साथ एनवीडिया कॉर्प दूसरे स्थान पर है। एप्पल 3.003 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर, अल्फाबेट (गूगल) 2.179 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप के साथ चौथे पायदान पर है, जबकि पांचवें स्थान पर अमेजन है, जिसका मार्केट कैप 1.886 ट्रिलियन डॉलर है। उल्लेखनीय है कि एनवीडिया पहले से ही दुनिया की सबसे मूल्यवान सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली फर्म है। इसके भारत में 4 इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं। ये सेंटर हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं। अमेरिकी चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया कॉर्प का शेयर 5 जून, बुधवार को 60.03 डॉलर यानी 5.16 फीसदी की तेजी के साथ 1,224.40 डॉलर (लगभग 1,86,958 रुपये) पर बंद हुआ। एपल का शेयर 0.78 फीसदी की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ है।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य उछलकर 79 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है। इस हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 77.52 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.03 डॉलर यानी 0.04 फीसदी लुढ़ककर 73.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का माहौल बना हुआ है। टेक शेयरों में आई तेजी के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार तेजी बनी रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,354.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 330.86 अंक यानी 1.96 प्रतिशत

उछल कर 17,187.90 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 38,798.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,246.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,006.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 170.30 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछल कर 18,575.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स में आज कारोबार नहीं हो रहा है। सेट कंपोजिट इंडेक्स अभी तक के कारोबार में 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,335.03 अंक के स्तर पर कारोबार रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,062.93 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 265 अंक यानी 1.18 प्रतिशत उछल कर 22,767 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 236.43 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,726.69 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 453.78 अंक यानी 2.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,938.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 108.26 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,533.22 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.47 प्रतिशत उछल कर 3,345.56 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 6,948.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की श्रीकांत ने 25वें दिन किया अपना सबसे कम कारोबार

तुषार हीरानंदानी के निर्देशन में बनी फिल्म श्रीकांत को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना पूरा होने जा रहा है और यह बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनाए हुए है।यह फिल्म पिछले महीने 10 मई को पर्दे पर आई थी और दर्शकों ने इसे खूब प्यार दिया।पिछले कुछ दिनों से श्रीकांत की कमाई में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वीकेंड पर ठीक-ठाक कमाई करने के बाद अब इस फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है। अब श्रीकांत के 25वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने चौथे सोमवार 40 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 44.65 करोड़ रुपये हो गया है।श्रीकांत मे अभिनेता राजकुमार राव है, जिन्होंने फिल्म में दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है।अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। श्रीकांत आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम में रहने वाले जन्म से दृष्टिबाधित बोला (राजकुमार) की कहानी कहती है।एक ऐसा लड़का, जो आंखें ना होते हुए भी पिता की आंखों का तारा होता है। आंखों की रोशनी ना होने के बावजूद बोला के सपने बड़े थे, जिनमें से एक भारत का पहला दृष्टिबाधित राष्ट्रपति बनना था।

हॉरर-कॉमेडी मुंज्या का गाना तरस हुआ रिलीज

शरवरी वाघ ने सेक्सी ठुमको से बढ़ाया पारा

स्त्री और भेड़िया के बाद यह निर्देशक दिनेश विजान की तीसरी हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों को बेहद पसंद भी आया। ट्रेलर में मुंज्या का कहर दर्शकों को साफ दिखाई दिया, तो वहीं आज फिल्म का पहला गाना तरस रिलीज किया गया है, जिसे देखकर शायद दर्शकों का डर खुशी में बदल जाए। शरवरी वाघ को पिछली बार फिल्म बंटी और बबली 2 में देखा गया था, जो 2021 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 4 साल के लंबे अंतराल के बाद शरवरी सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म मुंज्या को लेकर चर्चा में लगातार बनी हुई हैं। आज मुज्या का पहला गाना तरस रिलीज किया जा चुका है। इस गाने में शरवरी वाघ का जबरदस्त डांस देखने को मिला। गाने में शरवरी वाघ के जबरदस्त लटके-झटके दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। इस गाने को जैस्मीन सैंडलस और सचिन जिगर ने गाया है। इस गाने के लिरिक्स को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। फिल्म मुंज्या का गाना तरस रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मुंज्या के ट्रेलर में चेटूकवाड़ी की कहानी दिखाई गई थी, जो कि एक शापित जगह है। इस जगह पर मुंज्या की अस्थियां गढ़ी हुई हैं। दरअसल, मुंज्या किसी मुन्नी से शादी करना चाहता था, लेकिन शादी से पहले ही उसकी मौत हो जाती है। जहां यह फिल्म आपको डराएगी, तो वहीं यह फिल्म आपको हंसाने का काम भी करेगी, क्योंकि फिल्म में हॉरर के साथ कॉमेडी का जबरदस्त तड़का आपको दिखने को मिलेगा। मुंज्या सिर्फ सनसेट के बाद आता है और वह अपनी आखिरी इच्छा यानी कि मुन्नी से शादी करना चाहता है। मुंज्या में अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे, जिनकी झलक ट्रेलर में साफ दिखाई दी थी। फिल्म के ट्रेलर के साथ मेकर्स ने लिखा था, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता है। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी है। यह फिल्म 7 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वेब सीरीज गुल्लक सीजन 4 का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज

फिर गुदगुदाने आ रहा है मिश्रा परिवार

द वायरल फीवर की वेब सीरीज गुल्लक लोगों को खूब पसंद है। इसके अभी तक तीन सीजन आ चुके हैं और जो लोग चौथे सीजन का इंतजार कर रहे थे, उनके लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, निर्माताओं ने गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। सोनी लिव ने गुल्लक के नए सीजन के ट्रेलर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसे लॉन्च करते हुए उन्होंने लिखा, लेकर जिंदगी की खनक, आ रही है नए किस्सों की गुल्लक! इसके साथ-साथ फैंस को यह भी बताया गया कि सीरीज की स्ट्रीमिंग 7 जून से सोनी लिव पर होगी।गुल्लक के चौथे सीजन का ट्रेलर लोगों को पसंद आ रहा है। दर्शकों इसे देखने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि पिछले तीनों सीजन की ही तरह इस बार भी कुछ मनोरंजक देखने को मिलेगा। यह एक पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जिसने अभी तक दर्शकों को गुदगुदाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यही वजह है कि सीरीज में मिश्रा परिवार के घर के नए किस्सों को देखने के लिए लोगों का उत्साह सातवें आसमान पर है। गुल्लक का निर्देशन श्रेयांश पांडे ने किया है। इसमें जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, वैभव राज गुप्ता और हर्ष मायर ने अभिनय किया है। मालूम हो कि द वायरल फीवर की एक और चर्चित वेब सीरीज पंचायत का भी तीसरा सीजन जल्द आने वाला है। इसका ट्रेलर भी लॉन्च हो चुका है।

तेरा इश्क मेरा फितूर में बोल्ड सीन करने में नहीं हुई कोई परेशानी : शिवांगी वर्मा

टीवी सीरियल छोटी सरदारनी से पॉपुलर हुईं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा इन दिनों अपने अपकमिंग शो तेरा इश्क मेरा फितूर को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसमें उन्होंने काफी बोल्ड सीन दिए हैं। अपने इस सीन को लेकर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि उनके लिए बोल्ड सीन करना काफी आसान था। उन्होंने इसे बहुत अच्छे से किया। शिवांगी ने बताया कि बोल्ड सीन करना काफी हद तक को-एक्टर पर निर्भर करता है और जहां तक कंफर्ट का सवाल है, उन्हें इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा, मैं बोल्ड सीन के दौरान बहुत कंफर्टेबल थी, क्योंकि यह पूरी तरह से आपके को-एक्टर पर निर्भर करता है। सेहबान अजीम के साथ काम करना वाकई शानदार है। उन्होंने मुझे कंफर्टेबल महसूस कराया। इस दौरान डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और बाकी सभी लोग सेट पर मौजूद थे, जिन्होंने हम दोनों को कंफर्ट महसूस कराने के लिए एक तरह का माहौल बनाया, इसलिए यह जबरदस्ती जैसा नहीं था, बल्कि यह स्टोरी का हिस्सा था, और हमने इसे बेहद खूबसूरती से पूरा किया। और मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह पसंद आएगा। शो की लव स्टोरी के बारे में बताते हुए शिवांगी ने कहा, यह एक इंटेंस लव स्टोरी है। यह पूरी तरह से प्यार के बारे में है। दरअसल, यह म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिससे दर्शक आसानी से जुड़ सकेंगे। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि शूटिंग बेहद मजेदार रही। शिवांगी ने कहा, कलाकारों से मिलना वाकई दिलचस्प था। उनके साथ कहानी को शूट करना मजेदार था और हमने पूरी शूटिंग बाहर ही की। हमने बहुत अच्छा समय बिताया, हमने खूब मौज-मस्ती की। हम शूटिंग करते थे, और फिर हम साथ में मौज-मस्ती करते थे। मुझे लगता है कि ये सब मेरे लिए वाकई यादगार था। तेरा इश्क मेरा फितूर 7 जून को अतरंगी पर प्रसारित होगा।

बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में गिरावट

चौथे दिन जुटाए इतने करोड़ रुपये

शरन शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आ रही है। फिल्म रूही के बाद यह दोनों के बीच दूसरा सहयोग है।मिस्टर एंड मिसेज माही में अपने शानदार अभिनय से जाह्नवी और राजकुमार ने एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लिया है।यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार कर रही है। हालांकि, चौथे दिन फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की गई है। अब मिस्टर एंड मिसेज माही के चौथे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, इस फिल्म ने सोमवार को 2.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 19 करोड़ रुपये हो गया है।मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.60 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाए। मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार और जाह्नवी के अलावा कुमुद मिश्रा, अभिषेक बनर्जी, जरीना वहाब और राजेश शर्मा जैसे शानदार कलाकारों ने काम किया है।करण जौहर ने हीरू यश जौहर और अपूर्व मेहता के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मिस्टर एंड मिसेज माही सिनेमाघरों के बाद नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।इस फिल्म का प्रीमियर जुलाई के अंत तक किया जाएगा। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

काजल अग्रवाल की सत्यभामा 7 जून को होगी रिलीज

जनता की रानी काजल अग्रवाल, फिल्म सत्यभामा की मुख्य भूमिका में, 7 जून को दुनिया भर में एक भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार हो रही है। काजल एक शक्तिशाली पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, और यह फिल्म सभी वर्गों की रुचि को आकर्षित कर रही है। दर्शकों, विशेषकर महिला दर्शकों के बीच। प्रमोशन के दौरान काजल के शब्द इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि यह एक ऐसी फिल्म है जिसे महिलाओं को देखना चाहिए। महिला दर्शक सत्यभामा का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। नवीन चंद्रा ने सत्यभामा में अमरेंदर की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्माण ऑरम आर्ट्स के बैनर तले बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपल्ली ने किया है। मेजर फिल्म निर्देशक शशिकिरण टिक्का ने प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया और पटकथा प्रदान की। इस क्राइम थ्रिलर का निर्देशन सुमन चिक्काला ने किया है। सत्यभामा के अब तक जारी किए गए टीज़र और गीतात्मक गीतों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म का ट्रेलर कल नतासिम्हम नंदमुरी बालकृष्ण द्वारा जारी किया जाएगा।

मालविका मोहनन की लेटेस्ट तस्वीरों ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

हॉट लुक देख फैंस हुए मदहोश

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के चलते सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट सैटिन आउटफिट में बेहद ही सेक्सी फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनकी किलर अदाएं देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड फैशन सेंस के चलते अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका गॉर्जियस लुक्स देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी वॉर्डरोब चॉइस हो, ग्लैमरस मेकअप या फिर पर्सनल स्टाइल फैंस उनकी सोशल प्रजेंस देख कर पूरी तरह से आकर्षित हो जाते हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने ब्लू कलर की सैटिन कलर का वन साइड शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का हाई बन बनाकर, कानों में इयररिंग्स पहन कर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं। मालविका मोहनन सामने आए इस फोटोशूट में अप्सरा की तरह नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ की हालत पस्त

लाखों में सिमटी दैनिक कमाई

दिव्या खोसला कुमार, हर्षवर्धन राणे और अनिल कपूर जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ को बीते शुक्रवार यानी 31 मई को रिलीज किया गया था। हालांकि, यह लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है।सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी और अब इसकी दैनिक कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं फिल्म ने चौथे दिन कितने लाख रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 51 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.81 करोड़ रुपये हो गया है।सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ ने 1.60 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।वीकेंड पर इस फिल्म की दैनिक कमाई में इजाफा हुआ। दूसरे दिन इसने 1.80 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 1.90 करोड़ रुपये कमाए थे। सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ के निर्देशन की कमान अभिनय देव ने संभाली है। मुकेश भट्ट इस फिल्म के निर्माता हैं।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेटफ्लिक्स ने सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ के ओटीटी राइट्स खरीद लिए हैं।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद इस फिल्म का प्रीमियर जुलाई के मध्य तक नेटफ्लिक्स पर हो सकता है। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।दिव्या जल्द फिल्म हीरो हीरोइन में नजर आएंगी। यह तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज होगी।